सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" जीवन में सुखी रहने के लिए दो शक्तियों का होना जरुरी है, पहला सहन शक्ति और दूसरा समझ शक्ति..! "

अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-91 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 21 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

ऑपरेशन आघात : गांजा तस्करी करते दो गिरफ्तार, 60 किलो गांजा व 20 लाख रुपए की संपत्ति जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

जिले में नशे के अवैध कारोबार पर लगातार प्रहार करते हुए रायगढ़ पुलिस ने ऑपरेशन आघात के तहत बड़ी कार्रवाई की है। थाना तमनार और साइबर टीम की संयुक्त कार्रवाई में ओडिशा से गांजा तस्करी कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 60 किलोग्राम गांजा, कार और मोबाइल सहित कुल 20 लाख 24 हजार 750 रुपये की संपत्ति जब्त की गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में 19 अप्रैल को यह कार्रवाई की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा के बिलाईमुंडा क्षेत्र से एक सफेद रंग की कार में भारी मात्रा में गांजा धौराभांठा की ओर लाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने धौराभांठा मेन रोड पर नाकेबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोका।

जांच के दौरान वाहन क्रमांक OR-15-T 7372 (स्विफ्ट डिजायर) की तलाशी लेने पर डिक्की से 9 पैकेटों में छिपाकर रखा गया 60 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। गांजे की अनुमानित कीमत 15 लाख 14 हजार 750 रुपये आंकी गई है। इसके अलावा आरोपियों के पास से वीवो और ओप्पो कंपनी के दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान सोहन लाल सिदार (40 वर्ष), निवासी रायपारा थाना तमनार और विनोद प्रधान (33 वर्ष), निवासी समकेरा थाना तमनार के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे ओडिशा के संबलपुर निवासी फरार आरोपी कमल मेहर के संपर्क में थे और वहीं से गांजा लाकर इलाके में खपाने की योजना थी।

मामले में थाना तमनार में अपराध क्रमांक 78/2026 के तहत धारा 20(बी) और 29 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। फरार आरोपी की तलाश जारी है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी तमनार निरीक्षक प्रशांत राव, साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक विजय चेलक सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों और जवानों की अहम भूमिका रही।

एसएसपी सिंह का सख्त संदेश

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने स्पष्ट कहा है कि जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रतिबद्ध है। ऐसे अपराधों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि नशे के कारोबार से संबंधित किसी भी जानकारी को तत्काल पुलिस तक पहुंचाएं, सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

47 किलो गांजा जब्त, वाहन चालक गिरफ्तार

महासमुंद। महासमुंद जिले में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और कोमाखान थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 47 .300 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत 23 लाख 65 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल वाहन सहित कुल 59 लाख 51 हजार रुपए की संपत्ति भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार, 19 अप्रैल 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की अशोक लीलैंड ट्रक में ओडिशा की ओर से अवैध गांजा लाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने नाकाबंदी की। कुछ समय बाद संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली गई। जिसमें सीट के नीचे बनाए गए चेंबर में तीन प्लास्टिक बोरियों में गांजा छुपाकर रखा गया था। पूछताछ में चालक ने अपना नाम मोहम्मद मिराज निवासी टिटलागढ़ जिला बलांगीर (ओडिशा) बताया। उसके साथ रोहित पोंड सहित दो नाबालिग भी वाहन में मौजूद थे। सभी को मौके पर हिरासत में लिया गया। जांच में सामने आया कि यह गांजा ओडिशा के कालाहांडी क्षेत्र से लाकर छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में खपाने की योजना थी। पुलिस ने इस मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(B)(ii)(C) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने मुंगेली निवासी दीपक साहू का नाम बताया, जिसे गांजा की सप्लाई दी जानी थी। इसके आधार पर पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। जब्ती में एक ट्रक, एक कार, चार मोबाइल फोन और नगद राशि भी शामिल है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क के सोर्स और डेस्टिनेशन तक पहुंचने के लिए आगे की जांच कर रही है।

आप ने उठाई खुर्सीपार कन्या विद्यालय को बचाने की आवाज, सीएम व शिक्षामंत्री को लिखा पत्र

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आम आदमी पार्टी भिलाई के नेता जसप्रीत सिंह ने खुर्सीपार स्थित इरढ कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को बंद करने के निर्णय का कड़ा विरोध किया है। इस संबंध में उन्होंने प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर स्कूल को यथावत संचालित रखने की मांग की है।

अच्छे स्कूलों का अभाव

जसप्रीत सिंह ने मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए बताया कि खुर्सीपार क्षेत्र में वर्तमान में अन्य कोई अच्छे विकल्प मौजूद नहीं हैं। जो भी अच्छे स्कूल हैं, वे यहाँ से कई किलोमीटर की दूरी पर हैं, जिससे छात्राओं की सुरक्षा और आवागमन की समस्या बढ़ेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आम जनता को RTE के तहत प्रवेश लेने में भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

भविष्य पर संकट

जसप्रीत सिंह ने कहा, "एक ओर सरकार 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा देती है, वहीं दूसरी ओर बेटियों के लिए बने एकमात्र सुरक्षित कन्या विद्यालय को बंद करने की तैयारी की जा रही है। ये बच्चियां ही देश का भविष्य हैं, और शिक्षा का मंदिर बंद होने से उनकी प्रगति रुक जाएगी।"

निजी स्कूलों को फायदा पहुंचाने की कोशिश : जसप्रीत सिंह

जसप्रीत सिंह ने आरोप लगाया कि इरढ प्रबंधन द्वारा 1976 से चल रहे इस ऐतिहासिक स्कूल को बंद करना गरीब और मध्यम वर्गीय बेटियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि "यदि इसी प्रकार सरकारी और सार्वजनिक उपक्रमों के स्कूल बंद होते रहे, तो क्षेत्र में प्राइवेट स्कूलों का दबदबा बढ़ जाएगा। निजी स्कूलों की भारी-भरकम फीस चुकाना गरीब अभिभावकों के बस के बाहर है।"

आम आदमी पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि इरढ प्रबंधन और शासन ने इस स्कूल को बचाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए और नए प्रवेश (Admission) पुनः शुरू नहीं किए, तो वे जनहित में आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आईओसीएल के मुख्य महाप्रबंधक ने की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश के मुख्य महाप्रबंधक अजय कुमार श्रीवास्तव ने सौजन्य मुलाकात की। मुलाकात के दौरान राज्य में पेट्रोलियम क्षेत्र के विस्तार, ईंधन आपूर्ति की सुदृढ़ व्यवस्था तथा जनसुविधाओं को और अधिक सुलभ बनाने जैसे विषयों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर आईओसीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

पेयजल आपूर्ति, अवैध प्लॉटिंग और अवैध निर्माण पर उप मुख्यमंत्री साव हुए सख्त

31 मई तक सभी नगर निगमों में बड़े नाला-नालियों और ड्रेनेज की सफाई के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने प्रदेश के सभी नगर निगमों और नगर पालिकाओं के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने रायपुर के सिविल लाइन स्थित सर्किट हाउस में दिनभर चली बैठक में शहरों में पेयजल आपूर्ति की समस्याओं, अवैध प्लॉटिंग और अवैध निर्माण पर नाराजगी जाहिर करते हुए इनके निराकरण के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने धमतरी में पेयजल योजना के काम में लेटलतीफी पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कार्यपालन अभियंता को निलंबित करने तथा ठेकेदार पर पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिए।

नगर निगमों और नगर पालिकाओं की आज दो अलग-अलग हुई समीक्षा बैठकों में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., संचालक आर. एक्का और राज्य शहरी विकास अभिकरण के सीईओ शशांक पाण्डेय सहित सभी नगर निगमों के आयुक्त, नगर पालिकाओं के मुख्य नगर पालिका अधिकारी, वरिष्ठ अभियंता एवं नगरीय प्रशासन विभाग के पांचों संभागीय क्षेत्रीय कार्यालयों के संयुक्त संचालक भी बैठक में मौजूद थे।

श्री साव ने समीक्षा बैठक में नगर निगमों और नगर पालिकाओं के अधिकारियों को शहरों की जरूरत के मुताबिक कार्ययोजना बनाकर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने निकायों की व्यवस्था और छवि सुधारने सक्रियता व गंभीरता से काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि नगर निगम ऐसा काम करें जिससे राज्य की नगर पालिकाएं प्रेरणा ले सकें और नगर पालिका इस तरह से काम करें जिनसे नगर पंचायतें प्रेरित हो सकें। उन्होंने निकायों के अभियंताओं से कहा कि काम की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें नहीं आना चाहिए। सभी निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण हों, इस पर विशेष ध्यान दें।

श्री साव ने बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत अपूर्ण आवासों को सितम्बर-2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अप्रारंभ आवासों के निर्माण एक माह के भीतर हर हाल में शुरू करने के साथ ही मार्च-2026 में स्वीकृत सभी आवासों को वर्षा ऋतु के पहले प्रारंभ करने को कहा। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत निर्धारित 18 माह की अवधि में निर्माण पूर्ण करने वाले हितग्राहियों के प्रस्ताव अविलंब विभाग को भेजने के निर्देश दिए, ताकि ऐसे हितग्राहियों को मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना की 32 हजार 850 रुपए की अतिरिक्त राशि प्रदान की जा सके।

श्री साव ने पीएम स्वनिधि योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा स्ट्रीट वेंडर्स को दिलाने बैंकों से बात कर ऋण स्वीकृत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने शहरों में भूजल को रिचार्ज करने के लिए डीएमएफ, सीएसआर और जन सहयोग से अधिक से अधिक संख्या में रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कार्य कराने को कहा। श्री साव ने शहरों को सुंदर, स्वच्छ और सुविधापूर्ण बनाने के मिशन में वर्तमान समय की जरूरतों और तकनीकों के साथ नई कार्य पद्धति अपनाने के निर्देश निकायों के अधिकारियों को दिए। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के उप सचिव भागवत जायसवाल, अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य और मुख्य अभियंता राजेश शर्मा भी समीक्षा बैठक में उपस्थित थे।

इन कार्यों और योजनाओं की हुई समीक्षा

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने दो सत्रों में मैराथन बैठकों में नगरीय निकायों में राजस्व वसूली, विद्युत देयकों के भुगतान, वेतन भुगतान, अधोसंरचना विकास व 15वें वित्त आयोग के कार्यों, नालंदा परिसरों, नगरोत्थान योजना, जलप्रदाय योजनाओं, आपदा प्रबंधन, गोधाम योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम स्वनिधि योजना, अटल मॉनिटरिंग पोर्टल, आई-गॉट कमयीगी तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कार्यों की समीक्षा की। वे 21 अप्रैल को दिनभर नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा करेंगे।

कार्य संतोषजनक न मिलने पर अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

पेयजल आपूर्ति की लगातार आ रही शिकायतों पर नाखुशी और नाराजगी जाहिर करते हुए अगले वर्ष तक सभी नगर निगमों में इसके स्थाई समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरों में केवल बजट खर्च करने के उद्देश्य से काम न करें, बल्कि समस्याओं का स्थाई समाधान करें। पेयजल समस्या की शिकायतों पर जवाबदेही तय कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगामी 31 मई तक सभी नगर निगमों में बड़े नाला-नालियों और ड्रेनेज की सफाई के काम पूर्ण करने के साथ ही बरसात में जल भराव रोकने जरूरी उपाय करने को कहा। जून के पहले सप्ताह में राज्य स्तरीय टीम नगर निगमों में इसका भौतिक निरीक्षण करेंगी। कार्य संतोषजनक न मिलने पर स्वास्थ्य अधिकारी और इंजीनियर पर कार्रवाई की जाएगी।

रानी अवंती बाई सरोवर पर भू-माफियाओं का साया, विधायक ने सीए को लिखा पत्र

रिकेश सेन ने कहा - धरोहर को बचाना जरूरी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जल ही जीवन है—यह पंक्ति कागजों पर तो सुंदर लगती है, लेकिन धरातल पर जब स्वार्थ और लालच का मेल होता है, तो सबसे पहले जल के स्रोत ही बलि चढ़ते हैं। भिलाई के जुनवानी रोड कोहका स्थित रानी अवंती बाई सरोवर वर्तमान में इसी संकट से जूझ रहा है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने इस सरोवर को संरक्षित करने और तालाब की जमीन को लेकर किए जा रहे दावों की उच्च स्तरीय प्रशासनिक जांच करने की मांग मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से की है।

विधानसभा में भी उन्होंने शासकीय जमीनों के संरक्षण का मुद्दा उठाया था, जो यह दर्शाता है कि वे इस धरोहर को बचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

श्री सेन ने कहा कि तालाब के आस-पास की जमीन का सीमांकन और राजस्व रिकॉर्ड की जांच अब अनिवार्य हो गई है। यदि समय रहते मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से उच्च स्तरीय जांच नहीं हुई, तो भू-माफिया इस सरोवर को कंक्रीट के जंगल में तब्दील करने में देर नहीं करेंगे। कोहका के बुजुर्गों और स्थानीय निवासियों के लिए रानी अवंती बाई सरोवर केवल पानी का गड्ढा नहीं, बल्कि उनकी परंपराओं का हिस्सा है।

यदि आज यह तालाब मिट गया तो आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी की बूंद-बूंद का संकट खड़ा हो जाएगा। इसलिए तालाब की जमीन को लेकर हो रहे दावों की निष्पक्ष जांच कर सरोवर संरक्षण के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है।

विधायक सेन की मुहिम : विरासत बचाने की जंग

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने इस संवेदनशील मुद्दे पर सीधे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर प्रशासनिक हस्तक्षेप की मांग की है। उनका तर्क स्पष्ट है कि जल स्रोतों का संरक्षण केवल विकास नहीं, बल्कि भविष्य के लिए जीवन सुनिश्चित करना है।

बिल्डरों की 'निजी जमीन' का खेल और अदालती दांवपेच

अक्सर देखा गया है कि ऐतिहासिक तालाबों और सरोवरों को पहले 'निजबारी' या 'निजी जमीन' घोषित करा कर उनके अस्तित्व को मिटाने की कोशिश की जाती है। कोहका के इस सरोवर के साथ भी कुछ ऐसा ही खेल खेला जा रहा है। मामला न्यायालय तक पहुँचा, लेकिन अब जब बिल्डरों और भू-माफियाओं की सक्रियता फिर से बढ़ी है, तो स्थानीय जनता और पर्यावरण प्रेमियों में भारी चिंता है।

जयंती स्टेडियम परिसर के समीप खेल आधारित वाटिका का हुआ लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवा विभाग द्वारा नगर क्षेत्र में सड़क, विद्युत, पेयजल एवं जनस्वास्थ्य संबंधी सेवाओं के साथ-साथ नगर को विशिष्ट पहचान प्रदान करने हेतु विभिन्न स्मारक एवं सौंदर्यीकरण कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जयंती स्टेडियम के मुख्य प्रवेश द्वार के समीप विभिन्न खेल कलाकृतियों से सुसज्जित वाटिका का लोकार्पण दिनांक 20 अप्रैल 2026 को कायर्पालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार द्वारा किया गया।

इस अवसर पर नगर सेवाएं विभाग के महाप्रबंधक प्रभारी ए. बी. श्रीनिवास विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। नव विकसित इस वाटिका में तीरंदाजी, हॉकी, क्रिकेट, तैराकी, मुक्केबाजी, जिम्नास्टिक, साइक्लिंग, बास्केटबॉल,

कुश्ती, भाला फेंक, भारोत्तोलन एवं टेनिस सहित विभिन्न खेलों को कलात्मक रूप में प्रदर्शित किया गया है, जो खेलों के प्रति युवाओं एवं खेल प्रेमियों में प्रेरणा एवं जुड़ाव को सुदृढ़ करने का एक सार्थक प्रयास है।

इस परियोजना को सफलतापूर्वक मूर्त रूप देने में महाप्रबंधक (नगर सेवाएं विभाग-सिविल) विष्णु पाठक, उप महाप्रबंधक (क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग) राजेंद्र प्रसाद, सहायक महाप्रबंधक (नगर सेवाएं विभाग-सिविल) सरोज झा एवं विवेक गुप्ता, वास्तुकार वाई. उमाशंकर तथा वीवी श्रीधर का विशेष योगदान रहा।

लोकार्पण अवसर पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सौमिक डे, ऑफिसर्स एसोसिएशन के सचिव अंकुर मिश्रा, सेफी नॉमिनी अखिलेश मिश्रा, उप महाप्रबंधक राघवेंद्र गर्ग, सहायक महाप्रबंधक रेमी थॉमस एवं कमरुद्दीन सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

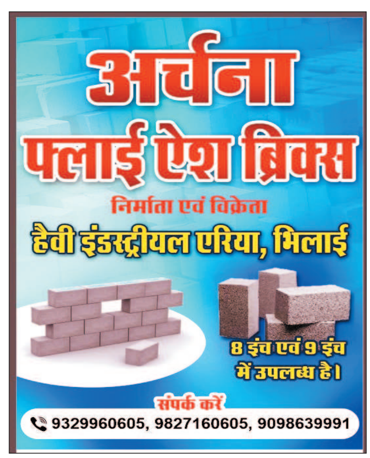

अक्षय तृतीया का संदेश : संस्कार, समता और जिम्मेदारी का पर्व- आचार्य डॉ. अजय आर्य

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अक्षय तृतीया भारतीय संस्कृति का एक अत्यंत पवित्र और शुभ दिवस है, जिसे अबूझ मुहूर्त के रूप में भी जाना जाता है। इस दिन बिना मुहूर्त देखे विवाह, दान, यज्ञ और अन्य शुभ कार्य किए जाते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन भगवान परशुराम का अवतार हुआ, माँ गंगा का अवतरण हुआ तथा ऐसी मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने अक्षय पात्र प्रदान किया था। यह दिन हमें सिखाता है कि शुभ अवसर को शुभ कर्मों से जोड़ा जाए। किंतु विडंबना यह है कि इसी पावन दिवस पर कई स्थानों पर बाल विवाह जैसी कुरीतियाँ भी देखने को मिलती हैं, जो इस पर्व की पवित्रता और उद्देश्य के विपरीत है।

विवाह क्या है ? : विवाह शब्द संस्कृत धातु वह (ले जाना, वहन करना) से बना है, जिसका अर्थ है—दो व्यक्तियों का जीवनभर के कर्तव्यों, मूल्यों और जिम्मेदारियों को साथ लेकर चलना। विवाह शब्द का अर्थ विशेष जिम्मेदारी होता है। वह वजन या बोझ का वाचक है। विवाह केवल सामाजिक अनुबंध नहीं, बल्कि एक पवित्र संस्कार है, जिसमें दो परिपक्व व्यक्तित्व मिलकर जीवन का निर्माण करते हैं। यह संबंध प्रेम, विश्वास, समानता, सहयोग और उत्तरदायित्व पर आधारित होता है। इसलिए विवाह के लिए शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक परिपक्वता अत्यंत आवश्यक है।

बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक कुरीति है, जो बच्चों विशेषकर बालिकाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के अधिकारों का हनन करती है। 18 वर्ष से कम आयु की लड़कियों और 21 वर्ष से कम आयु के लड़कों का विवाह कानूनन अपराध है, जो बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत दंडनीय है। इसके दुष्परिणाम अत्यंत घातक हैं। कम उम्र में गभर्धारण से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर बढ़ती है, शिक्षा बीच में ही समाप्त हो जाती है, आर्थिक आत्मनिर्भरता खत्म हो जाती है और हिंसा व शोषण का खतरा बढ़ जाता है। यह कुप्रथा पीढ़ी दर पीढ़ी गरीबी और असमानता का दुष्चक्र भी पैदा करती है।

महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती ने बाल विवाह का पुरजोर विरोध किया और विवाह को एक जिम्मेदार एवं विचारपूर्ण संस्कार बताया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विवाह गुण, कर्म और स्वभाव के अनुसार होना चाहिए, न कि केवल आयु, परंपरा या दबाव के आधार पर। उनका मानना था कि स्त्री और पुरुष दोनों को समान रूप से शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए, ताकि वे विवेकपूर्ण निर्णय ले सकें और एक सशक्त परिवार एवं समाज का निर्माण कर सकें। स्वामी जी बाल विवाह पर व्यंग्य करते हुए कहते थे कि यह तो बच्चों के बच्चों का विवाह है—अर्थात न स्वयं परिपक्वता, न भविष्य की तैयारी।

स्वामी विवेकानंद ने कहा—राष्ट्र की उन्नति उसकी महिलाओं की स्थिति पर निर्भर करती है। महात्मा गांधी ने बाल विवाह को समाज की बुराई बताया और इसके उन्मूलन पर बल दिया। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे बड़ा साधन माना। इन सभी महापुरुषों के विचार स्पष्ट करते हैं कि विवाह कोई खेल नहीं, बल्कि जीवन का गंभीर और जिम्मेदारीपूर्ण निर्णय है।

विवाह गुड्डे-गुड़ियों का खेल नहीं है। विवाह दो आत्माओं का, दो परिवारों का और दो जिम्मेदारियों का मिलन है, जिसे निभाने के लिए परिपक्वता, समझदारी और जीवन कौशल आवश्यक है। इसलिए अक्षय तृतीया जैसे पवित्र पर्व पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम बाल विवाह जैसी कुरीतियों को समाप्त करेंगे और इस दिन को केवल सत्कर्म, शिक्षा और जागरूकता से जोड़ेंगे।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए शिक्षा सबसे प्रभावी उपाय है। जो लड़कियां शिक्षित होती हैं, वे आत्मनिर्भर बनती हैं और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होती हैं। समाज, परिवार, विद्यालय और प्रशासन सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि इस कुप्रथा को समाप्त करें। बाल विवाह मुक्त भारत जैसे अभियान इसी दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास हैं।

अक्षय संदेश : अक्षय तृतीया को अक्षय पुण्य का पर्व बनाएं, न कि कुरीतियों का। विवाह को संस्कार समझें, खेल नहीं। और समाज को ऐसा बनाएं, जहाँ हर बच्चा शिक्षित, सुरक्षित और सशक्त हो।

अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम का प्रकटोत्सव धूमधाम से मनाया

दुर्ग। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर शहर के गंजपारा स्थित श्री सत्तीचौरा मां दुर्गा मंदिर में भगवान परशुराम का प्रकटोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान विशेष पूजा-अचर्ना, कथा वाचन और महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

समिति के मोनू शर्मा ने बताया कि मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित सुनील पांडे ने प्रातः 11 बजे भगवान परशुराम की संक्षिप्त कथा का व्याख्यान किया और संगीतमय परशुराम चालीसा का पाठ कराया। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे महाआरती की गई, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

पंडित सुनील पांडे ने कथा के दौरान बताया कि भगवान परशुराम, ऋषि जमदग्नि और माता रेणुका के पुत्र थे, जिनका जन्म अक्षय तृतीया के दिन हुआ। उन्होंने बताया कि भगवान परशुराम को चिरंजीवी होने का वरदान प्राप्त है और उनकी पूजा से जीवन की अनेक बाधाएं दूर होती हैं। भगवान शिव से प्राप्त परशु (फरसा) के कारण ही वे परशुराम नाम से विख्यात हुए।

उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन शस्त्र और शास्त्र के संतुलन का प्रतीक है, जो हमें सिखाता है कि ज्ञान और शक्ति दोनों का उपयोग समाज कल्याण और अन्याय के विरोध में होना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान चारों वेदों एवं शस्त्रों की विधिवत पूजा की गई। साथ ही छत्तीसगढ़ की पारंपरिक संस्कृति के तहत मिट्टी के गुड्डा-गुड़िया (पुतरा-पुतरी) का विवाह भी संपन्न कराया गया, जो सुख-समृद्धि और बच्चों में संस्कारों के विकास का प्रतीक माना जाता है।

इस अवसर पर गोपाल शर्मा, नरेंद्र शर्मा, घनश्याम पंड्या, राजेंद्र शर्मा, चंदू शर्मा, प्रमोद जोशी, प्रतिभा गुप्ता, कमल शर्मा, जीतू शर्मा, राहुल शर्मा, ललित शर्मा, राजू पुरोहित, प्रशांत कश्यप सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अधर्म का अंत कर सत्य-ज्ञान-अनुशासन व धर्म की शिक्षा देने वाले भगवान है परशुराम- देवेश मिश्रा

भगवान परशुराम जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर गुरुदेव महंत यज्ञानंद ब्रम्हचारी की अध्यक्षता एवं भगवा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं द्विज एकता मंच अध्यक्ष देवेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में भगवान परशुराम की वैदिक मन्त्रोंपचार से विधिवत पूजा अचर्ना की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान गणेश की पूजा से हुआ। पूजन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मुख्य यजमान देवेश मिश्रा ने भाग लिया। महंत यज्ञानंद ब्रम्हचारी जी के मुखारवृंद से भगवान परशुराम से प्राथर्ना किया गया कि सम्पूर्ण विश्व में सुख- शांति समृद्धि का वास हो, और भय,आतंक,अत्याचार, तानाशाह का नाश हो। महंत यज्ञानंद ब्रम्हचारी जी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि भगवान परशुराम का जन्म त्रेता युग के प्रारम्भ में लगभग दो करोड़ वर्ष पूर्व हुआ था। उस समय भगवान परशुराम ने उदंड अत्याचारी,तानाशाही शासकों को विनाश किया और लोक संरक्षक,प्राणी मात्र के सुहिद्र तेजस्वी ब्राह्मण प्रमुखो को अलग अलग राज्यों के राजा के रूप में अभिषेक किया। भगवान परशुराम ने ब्राह्मण राजाओं को सन्देश-निर्देश दिया कि वे समस्त समाज के हित व सुख समृद्धि में अपना योगदान देवे,जिससे मानव समाज में प्रेम सद्भावना आपसी सम्मान का वातावरण बना रहे।

भगवा पार्टी प्रदेश अध्यक्ष देवेश मिश्रा ने कहा कि आज भगवान परशुराम के सन्देश चरितार्थ करने का है। प्रत्येक ब्राह्मण सनातन धर्म परंपरानुसार सर्वहितकारी सवर्मानव जाति के कल्याण रक्षार्थ संकल्पित है। इसके विपरीत कार्य करने वाले एवं समाजिक व्यवस्थाओं के विरोधी,सनातन विरोधी,देश द्रोही को मार्ग पर लाने का कार्य हमें करना है। सर्वत्र सुख शांति उन्नत और समृद्ध राष्ट्र ही हमारा उद्देश्य है। भगवान परशुराम पर आधारित गोष्ठी पश्चात भव्य आरती की गई और प्रसाद मिष्ठान वितरण किया गया। इस दौरान भगवा पार्टी के प्रदेश महासचिव आकाश दुबे, वरुणेशवर पाण्डेय, अतुल शुक्ला, अभिषेक शर्मा, सचिन मिश्रा, चित्रांश तिवारी, देवेश तिवारी के अलावा मातृ शक्ति के रूप में कस्तूरी तिवारी, सुशीला मिश्रा, ज्योति तिवारी, संजना तिवारी, अचल तिवारी सहित अनेक गणमान्य विप्र वर उपस्थित थे।

खास खबर

वर्तमान पीढ़ी zenzee के हाथों हुआ प्याऊ घर का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेंट्रल एवेन्यू के जुबली पार्क के पास श्री चतुर्भुज मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा अक्षय तृतीय के अवसर प्याऊ घर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बीएसपी के ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र बंछोर, हितवाद सम्पादक ईवी मुरली , विजय येचुरी, श्रीमती कल्पना दिवेदी जी तथा संस्था के सम्मानीय वरिष्ठ सदस्य दयाराम जोशी , अरुण कुमार तिवारी, रमेश पाल, जुगल किशोर देवांगन जी एवं फाउंडेशन की संस्थापिका श्रीमती सीमा श्रीवास्तव, सचिव जसवीर कौर एवं सदस्यों द्वारा पूजा अचर्ना की गई तत्पश्चात राहगीरों को शीतल जल पिलाकर इस प्याऊ घर की शुरुआत की।

आयोजित संक्षिप्त समारोह को संबोधित करते हुए नरेंद्र बंछोर ने कहा कि इस प्रचंड गर्मी में राहगीरों, बच्चों, बुजुर्गों के लिए यह प्याऊ अत्यंत उपयोगी साबित होगा। उन्होंने चतुर्भुज मेमोरियल फाउंडेशन की टीम को इस पुनीत कार्य के लिए शुभकामनाएं दी।

फाउंडेशन की संस्थापिका श्रीमती सीमा श्रीवास्तव ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमने जब भी संस्था की और से सामाजिक कार्य का आयोजन किया है यदि उसमे हमें बीएसपी प्रबंधन से सहयोग माँगा है उन्होंने हमे सदैव सहयोग किया है और नरेंद्र बंछोर इतने सरल और सहज है की उन्होने हमारे किसी भी कार्यक्रम के लिए कभी मना नही किया सदैव अपने आशीर्वचनों से हमेशा देश सहयोग किया है उनकी यह मार्मिकता के लिए हमारी संस्था और पूरे भिलाई वासीयो की ओर से उनका धन्यवाद करती हूं।

समारोह में उपस्थित संस्था के वरिष्ठ सदस्य महेश कुमार तन्देल, दशरथ प्रसाद अहिरवार, नागेश्वर आचार्य, दिलीप कुमार यदु, नूर सिंह साहू इत्यादि वहाँ उपस्थित सभी अतिथियों ने भी इस सेवाभावी कार्य के लिए शुभकामनाएं प्रदान की । समारोह का संयोजन फाउंडेशन की सचिव सुश्री जसवीर कौर ने किया कार्यक्रम में संस्था के सदस्य योगेश कुमार, हरीश कुमार, सुमित ताम्रकार, राजेश कुमार प्रजापति, अनीता पटनायक, रफीक अहमद, वीरेंदर मेहता, जयश्री बाघ के अलावा चुनिंदा समाजसेवी तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

विकास कार्यों का निरीक्षण, जल संरक्षण व वृक्षारोपण पर दिया जा रहा विशेष जोर

सीईओ बजरंग कुमार ने ढौर, सावनी, दैमार और अमेरी पंचायतों का किया दौरा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

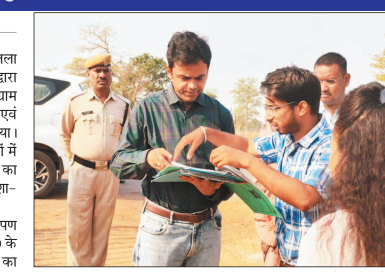

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बजरंग कुमार दुबे द्वारा जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पंचायत ढौर, सावनी, दैमार एवं अमेरी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायतों में संचालित विभिन्न विकास कार्यों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इस दौरान उन्होंने वृक्षारोपण कार्यों एवं WAT (जल संरक्षण) के तहत किए जा रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया तथा कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने जल संरक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने एवं अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने पर विशेष जोर दिया।

ग्राम पंचायत अमेरी में तालाब पार स्थित वृक्षारोपण कार्य एवं हअळ निर्माण कार्य का निरीक्षण कर कार्यों को गुणवत्तापूर्ण बनाने के निर्देश दिए गए। साथ ही अटल डिजिटल सेवा केंद्र का निरीक्षण कर पंचायत स्तर पर कर (टैक्स) संबंधी जानकारी ली गई तथा उसे पोर्टल में समय पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए। पेंशन से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई एवं स्वच्छताग्राही दीदियों को मानदेय वितरण की जानकारी ली गई।

ग्राम पंचायत सावनी में अमृत सरोवर निर्माण एवं वृक्षारोपण कार्यों के बेहतर रखरखाव हेतु निर्देश दिए गए। वृक्षारोपण कार्यों में आरएएचओ की सहायता लेने तथा मछली पालन एवं सब्जी उत्पादन जैसी आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। साथ ही जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए WAT (जल संरक्षण) निर्माण कार्य कराने के निर्देश दिए गए।

ग्राम पंचायत दैमार में अमृत सरोवर स्थल पर ट्री गार्ड चोरी होने की जानकारी मिलने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा तत्काल एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही सचिव की अनुपस्थिति पर नोटिस जारी करने हेतु निर्देशित किया गया।

केनाल रोड निर्माण की स्वीकृति, जल्द शुरू होगा कार्य

नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत जीई रोड से स्टेशन रोड को जोड़ने वाले साइंस कॉलेज के पीछे स्थित केनाल रोड के चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्य हेतु शासन द्वारा 16 अक्टूबर 2025 को 522 .65 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति उपरांत निर्माण कार्य की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। निर्माण कार्य के लिए नगर निगम द्वारा निविदा आमंत्रित की गई थी, जिसे निविदा समिति द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है। वर्तमान में कार्यादेश जारी करने की प्रक्रिया प्रगति पर है, जिससे कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जा सकेगा। नगर निगम एवं लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) के समन्वय से कार्य प्रारंभ करने की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। परियोजना अंतर्गत विद्युत पोल शिफ्टिंग एवं इलेक्ट्रिफिकेशन कार्य हेतु 25 .89 लाख रुपये की राशि संबंधित विभाग को प्रदान की गई, जिसके तहत 33 केवी, 11 केवी एवं एलटी लाइन शिफ्टिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसके साथ ही वन विभाग को 6 लाख रुपये प्रदान कर वृक्ष कटाई का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। परियोजना के अंतर्गत 380 मीटर लंबी एवं 15 मीटर चौड़ी बीटी सड़क का निर्माण किया जाएगा। साथ ही 0 .30 मीटर चौड़ा डिवाइडर, 380 मीटर लंबी नई केनाल (जिसमें 320 मीटर खुली एवं 60 मीटर कवर) का निर्माण प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त 16 दो-तरफा स्ट्रीट लाइट पोल एवं कॉलोनी एवं स्कूल के लिए 280 मीटर लंबा एप्रोच रोड भी विकसित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में आवागमन सुगम एवं सुरक्षित होगा। आयुक्त ने बताया कि साइंस कॉलेज के पीछे स्थित केनाल रोड निर्माण के लिए नगर निगम को नोडल एजेंसी बनाया गया है। निगम द्वारा पोल शिफ्टिंग एवं वृक्ष कटाई का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। नहर शिफ्टिंग हेतु जल संसाधन विभाग से एनओसी की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। नगर निगम एवं पीडब्ल्यूडी के समन्वय से शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

'संस्कार' समर कैंप-2026'-बच्चों की छुट्टियों को बनाएगा क्रिएटिव, सीखेंगे डांस व संगीत जल्दी करें नि :शुल्क रजिस्ट्रेशन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

"संस्कार" समर कैंप 2026 : बच्चों की गर्मियों की छुट्टियां लगने वाली हैं, ऐसे में अक्सर अभिभावक सोचते हैं कि इन छुट्टियों को सिर्फ आराम में बिताने के बजाय अगर बच्चा कुछ नया सीख ले, तो इससे बेहतर क्या हो सकता है। इसी को लेकर ब्रह्माकुमारीज के बघेरा दुर्ग में "संस्कार"- 'समर कैंप 2026' का आयोजन किया जा रहा है, जहां बच्चों को खेल-खेल में कई नई स्किल्स सीखने का मौका मिलेगा।

ब्रह्माकुमारीज दुर्ग की संचालिका रीटा दीदी ने इस कैंप के विषय मे बताया श्रेष्ठ संस्कार से ही श्रेष्ठ संसार का निर्माण होता है "संस्कार" समर कैंप का उद्देश्य बच्चों के मूल संस्कारों जैसे अनुशासन, बड़ों के प्रति सम्मान, दृढ़ संकल्प से कैसे सफलता को प्राप्त करें, इस पर यह समर कैंप पूरा केद्रिंत होगा इसके अलावा बच्चों को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना है। यहां संगीत, डांस, पेंटिंग जैसी क्रिएटिव एक्टिविटीज के साथ-साथ योग, की भी ट्रेनिंग दी जाएगी।

3 मई से 10 मई तक आयोजित होगा समर कैंप

यह "संस्कार" समर कैंप 3 मई से 10 मई तक आयोजित होगी। प्रतिदिन सुबह 8:00 बजे से 10:00 बजे तक क्लासेस लगेंगी, ताकि बच्चे दिन की शुरुआत कुछ नया सीखते हुए कर सकें। कैंप में सीटें सीमित हैं, इसलिए अभिभावकों से जल्द रजिस्ट्रेशन कराने की अपील की गई है। इसमें शामिल होने के लिए 91 75877 15133 फोन नम्बर पर निःशुल्क रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है । यह आयोजन ब्रह्माकुमारीज के बघेरा स्थित "आनंद सरोवर" में होगा । शहर के कोलाहल से दूर शांत और सुरम्य और अध्यात्मिक वातावरण में बच्चों के संस्कार परिवर्तन में यह स्थल बहुत मदद करता है ।अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे की छुट्टियां मजेदार होने के साथ-साथ सीखने वाले भी बनें और श्रेष्ठ संस्कारों का निर्माण हो, तो यह समर कैंप एक शानदार मौका हो

हितग्राहियों से कलेक्टर ने किया सीधा संवाद, समस्याओं के समाधान का दिलाया भरोसा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत वीएलसी घटक के ऐसे हितग्राही, जिन्होंने मकान निर्माण हेतु आवेदन तो किया है लेकिन किसी कारणवश कार्य प्रारंभ नहीं कर पा रहे हैं, उनके लिए नगर निगम दुर्ग द्वारा विशेष पहल की गई। कलेक्टर के निर्देश पर आयुक्त सुमित कुमार अग्रवाल ने रविवार को डाटा सेंटर दुर्ग में बैठक लेकर हितग्राहियों से सीधे संवाद किया।

बैठक में उपस्थित हितग्राहियों से आयुक्त ने व्यक्तिगत रूप से चर्चा कर उनकी समस्याओं को समझा। कई हितग्राहियों ने आर्थिक अभाव, तो कुछ ने ठेकेदार द्वारा समय पर कार्य नहीं करने की शिकायत रखी। वहीं कुछ ने शुभ मुहूर्त का इंतजार करने की बात कही। आयुक्त ने सभी को शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ करने हेतु प्रेरित करते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

88 में 36 हितग्राही रहे उपस्थित, 20 ने दी सहमति

बैठक में कुल 88 हितग्राहियों में से 36 उपस्थित हुए। विस्तृत चर्चा और समझाइश के बाद लगभग 20 हितग्राहियों ने अपने मकान निर्माण कार्य को जल्द शुरू करने की सहमति व्यक्त की।

नगर निगम का उद्देश्य ऐसे सभी हितग्राहियों को सहयोग प्रदान करना है, जो किसी भी कारण से अपना आवास निर्माण शुरू नहीं कर पा रहे हैं। आयुक्त ने आश्वस्त किया कि पात्र हितग्राहियों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें उनके सपनों का घर दिलाने की दिशा में निरंतर प्रयास किया जाएगा।

भिलाई महिला महाविद्यालय में समर कैंप का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई महिला महाविद्यलय द्वारा स्कूली छात्राओं कक्षा 11वीं एवं 12वीं के लिए निःशुल्क समर कैंप 2026 का आयोजन 15 से 24 अप्रैल तक महाविद्यालय परिसर में किया जा रहा है। इस समर कैंप का समय प्रतिदिन प्रातः 9.30 बजे से 11 बजे तक निर्धारित किया गया है।

महाविद्यालय की प्राचार्या द्वारा छात्राओं के हित में यह एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल की गई है। उन्होंने छात्राओं के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए उन्हें विभिन्न रचनात्मक एवं कौशल आधारित गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया।

समर कैंप के अंतर्गत छात्राओं के लिए अनेक रोचक एवं उपयोगी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं जिनमें पॉट मेकिंग एवं पेपर आर्ट, मेहंदी डिजाइन एवं मेकअप, कैनवा डिजाइनिंग एवं लॉजिकल गेम्स, ज्वेलरी मेकिंग एवं कैलिग्राफी, क्ले मॉडलिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डांस एवं क्रोशे, तथा टाई. एंड.डाई एवं बाटिक प्रमुख हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं को नई तकनीकों एवं रचनात्मक कौशलों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

'लक्ष्मी सखी मिलेट्स कार्ट' से आत्मनिर्भरता को मिली नई रफ्तार, हितग्राहियों को मिलेट कार्ट एव चैक का किया वितरण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महिला सशक्तिकरण को राज्य के समग्र विकास की आधारशिला बताते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो परिवार, समाज और पूरा राज्य मजबूत होता है। उन्होंने अपने निवास, नया रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय 'लक्ष्मी सखी मिलेट्स कार्ट वितरण कार्यक्रम में यह उद्बोधन देते हुए कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विभिन्न स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को ह्यलक्ष्मी सखी मिलेट्स कार्टह्न वितरित किए। इस अवसर पर श्रीमती शैलेन्द्री कुर्रे, श्रीमती डिगेश्वरी निषाद, श्रीमती अनिता ताण्डी, श्रीमती सुमन वर्मा, श्रीमती दीपाली राजपूत, श्रीमती दीपा सोनी, श्रीमती कामिनी बोथरा, श्रीमती सुभद्रा निर्मलकर, श्रीमती गीता साहू एवं श्रीमती प्रीति साहू सहित कई हितग्राही उपस्थित रहीं।

मंत्री ने बताया कि 'मिलेट्स कार्ट' अभियान महिलाओं के लिए स्वरोजगार का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। कांकेर जिला के नरहरपुर ग्राम की श्रीमती लोकेश्वरी रसिया और अन्य महिलाये प्रतिदिन 2 से 3 हजार रुपये तक तथा प्रतिमाह 25 से 30 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाना है, जिससे उनका आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास, क्षमता और समान अवसर विकसित करने की सतत प्रक्रिया है। जब महिलाएं शिक्षित, सक्षम और आत्मनिर्भर होती हैं, तो परिवार और समाज दोनों का समग्र विकास होता है तथा राज्य की अर्थव्यवस्था भी सुदृढ़ होती है। इस दिशा में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित महिला कोष योजना और सक्षम योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा

रही हैं। महिला कोष योजना के तहत वर्ष 2003 से स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को मात्र 3 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। पहली बार 2 लाख रुपये तक तथा समय पर पुनर्भुगतान करने पर दूसरी बार 6 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है। वर्ष 2021 में राज्य सरकार द्वारा 12.77 करोड़ रुपये के पुराने ऋण माफ किए गए, जिससे लगभग 1 लाख महिलाएं पुनः ऋण लेने के लिए पात्र हुईं।

आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में 10,500 महिलाओं को 10.70 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया, वहीं 2023-24 में 2500 समूहों को 31 करोड़ रुपये ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। इसी प्रकार सक्षम योजना के अंतर्गत वर्ष 2022-23 में 2.63 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत कर महिलाओं को व्यक्तिगत स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया गया। इन योजनाओं के सकारात्मक प्रभाव से महिलाएं पापड़ निर्माण, श्रृंगार सामग्री, किराना व्यवसाय सहित विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जुड़कर प्रतिमाह 1,000 से 5,000 रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं और आत्मनिर्भर बन रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08 मार्च 2026) के अवसर पर बस्तर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा 'लक्ष्मी मिलेट्स कार्ट' अभियान का शुभारंभ किया गया था। इस पहल के तहत राज्यभर में महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। विशेष रूप से नरहरपुर और कांकेर क्षेत्र की महिलाएं इस योजना से उल्लेखनीय आय अर्जित कर रही हैं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लखपति दीदी जैसी अवधारणाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। राज्य सरकार की योजनाएं इस दिशा में ठोस परिणाम दे रही हैं। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक डॉ. रेणुका श्रीवास्तव, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री शैल ठाकुर, साथी परियोजना के राष्ट्रीय समन्वयक मनीष साहू, साथी परियोजना के नोडल अधिकारी प्रोफेसर गजेंद्र चंद्राकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं हितग्राही उपस्थित रहे।

खास खबर

अतिरिक्त पीठ की स्थापना उपभोक्ता मामलों के शीघ्र निपटारे की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल : न्यायमूर्ति चौरड़िया

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गौतम चौरड़िया ने जिला उपभोक्ता आयोग, रायपुर की अतिरिक्त पीठ का उद्घाटन किया। न्यायमूर्ति श्री चौरड़िया ने अपने उद्बोधन में कहा कि उपभोक्ता हितों की रक्षा और न्याय की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित करना हमारा सवोच्च प्राथमिकता है। इस अतिरिक्त पीठ की स्थापना उपभोक्ता मामलों के शीघ्र निपटारे की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल है।

उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग के द्विवार्षिक प्रतिवेदन विमोचन एवं उपभोक्ता सम्मेलन के अवसर पर 12 अप्रैल 2025 को उपमुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा इस संबंध में की गई घोषणा को स्मरण करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। मंत्री दयालदास बघेल (खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग) तथा विभागीय सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब खंगाले के प्रयासों और उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा हेतु राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि यह अतिरिक्त पीठ उपभोक्ताओं को शीघ्र न्याय दिलाने में मील का पत्थर साबित होगा।

जिला उपभोक्ता आयोग रायपुर की अतिरिक्त पीठ के अध्यक्ष का दायित्व प्रशांत कुंडु तथा सदस्य का दायित्व आनंद वर्गीस को सौंपा गया है, जो जिला उपभोक्ता आयोग, रायपुर के अतिरिक्त पीठ में प्रकरणों की सुनवाई आज से प्रारंभ किए। इस अवसर पर राज्य उपभोक्ता आयोग के सदस्य प्रमोद वर्मा, रजिस्ट्रार श्रीनिवास तिवारी, जिला उपभोक्ता आयोग रायपुर के अध्यक्ष डीपी शर्मा, सदस्यगण श्रीमती निरूपमा प्रधान एवं अनिल अग्निहोत्री उपस्थित रहे। साथ ही जिला अधिवक्ता संघ, रायपुर के अध्यक्ष हितेन्द्र तिवारी तथा वरिष्ठ अधिवक्तागण शेखर अमीन, पीके पॉल, आरके भावनानी एवं राकेश पुरी सहित राज्य एवं जिला उपभोक्ता आयोग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

पर्यटन व संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने श्री अग्रोहा पैलेस का किया भूमिपूजन

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर में प्रस्तावित श्री अग्रोहा पैलेस का विधिवत भूमिपूजन कर आधारशिला रखी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि परम पूज्य महाराजा अग्रसेन जी के वंशज होने का गौरव केवल हमारी पहचान नहीं, बल्कि एक पुनीत उत्तरदायित्व भी है। सेवा, त्याग और लोकमंगल की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए यह परियोजना समाज के सामूहिक संकल्प और सहभागिता का प्रतीक बनेगी। उन्होंने बताया कि यह भव्य परिसर 150 अत्याधुनिक कमरों, विशाल हॉल तथा सवर्सुविधायुक्त लॉन से सुसज्जित होगा, जो न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे मध्य भारत में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा।

इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि अग्र समाज का इतिहास सेवा, समर्पण और लोककल्याण की गौरवशाली परंपरा से परिपूर्ण रहा है। हमारे पूवर्जों ने धमर्शालाएं, बावड़ियां और अन्न क्षेत्र बनाकर मानवता की सेवा का आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि कोई भी भवन केवल ईंट-पत्थरों से नहीं, बल्कि उसमें समाहित भावना, सहभागिता और सेवा के भाव से जीवंत बनता है। सांसद श्री अग्रवाल ने समाज के लोगों से आह्वान किया कि वे इस प्रकल्प को सफल बनाने के लिए समाज के अंतिम व्यक्ति को भी जोड़ें। साथ ही उन्होंने गरीब बच्चों की शिक्षा, जरूरतमंद मरीजों के उपचार और बेटियों के सम्मानजनक विवाह में सहयोग देने का संकल्प लेने की अपील की, ताकि श्री अग्रोहा पैलेस वास्तव में समाज सेवा का जीवंत केंद्र बन सके। कार्यक्रम में अग्रवाल सभा अंबिकापुर के अध्यक्ष संजय मित्तल, अजय अग्रवाल, बाबूलाल गोयल, योगेश अग्रवाल, विनोद, कृष्ण कुमार, मनोज जैन सहित समाज के अनेक गणमान्य एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

बस्तर के लिए खुलेगा वैश्विक द्वार, 4 घंटे में पूरा होगा समंदर तक का सफर

रायपुर-विशाखापट्टनम कॉरिडोर से बस्तर को मिलेगा वैश्विक कनेक्शन, बस्तर से बंदरगाह तक सीधी राह, इकोनॉमिक कॉरिडोर से विकास को मिलेगी नई दिशा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बस्तर की प्रगति को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर (NH-130 CD) एक क्रांतिकारी कदम साबित होने जा रहा है। भारतमाला परियोजना के तहत बन रहा यह 6-लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर न केवल दूरियों को कम करेगा, बल्कि बस्तर के स्थानीय उत्पादों को सीधे अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों तक पहुँच प्रदान कर लैंड-लॉक्ड क्षेत्र की बाधाओं को समाप्त करेगा।

दुर्गम घाटों से मुक्ति और समय की बड़ी बचत

वर्तमान में जगदलपुर से विशाखापट्टनम की यात्रा ओडिशा के कोरापुट और जयपुर के कठिन घाटों से होकर गुजरती है, जिसमें 7 से 9 घंटे का समय लगता है। भारी वाहनों के लिए यह मार्ग न केवल थकाऊ है, बल्कि डीजल की खपत और मेंटेनेंस के लिहाज से भी खर्चीला है। नया कॉरिडोर इस यात्रा को मात्र 3.5 से 4 घंटे में समेट देगा। सीधा और घाट-मुक्त रास्ता होने के कारण वाहनों का परिचालन खर्च काफी कम हो जाएगा, जिससे परिवहन क्षेत्र को बड़ी राहत मिलेगी।

नबरंगपुर इंटरचेंज : बस्तर का प्रवेश द्वार

रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर (NH-130 CD) छत्तीसगढ़ के रायपुर, धमतरी, कांकेर और कोंडागांव जिलों से गुजर रहा है। जगदलपुर मुख्यालय को इस कॉरिडोर से जोड़ने के लिए ओडिशा के नबरंगपुर का दासपुर इंटरचेंज महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। जगदलपुर का ट्रैफिक मात्र 50-60 किमी का सफर तय कर नबरंगपुर इंटरचेंज के माध्यम से रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर में शामिल हो सकेगा, जिससे बस्तर सीधे विशाखापट्टनम पोर्ट और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक नेटवर्क से जुड़ जाएगा।

बस्तरिया ब्रांड का अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रवेश

इस कॉरिडोर का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव बस्तर की स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। अब बस्तर की अरेबिका कॉफी, जैविक इमली, महुआ उत्पाद और प्रसिद्ध ढोकरा शिल्प को विशाखापट्टनम पोर्ट तक पहुँचाना सुगम होगा। कम लॉजिस्टिक लागत के कारण ये उत्पाद वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी दरों पर उपलब्ध होंगे, जिससे स्थानीय किसानों, संग्रहकर्ताओं और शिल्पकारों को उनकी उपज का बेहतर अंतरराष्ट्रीय मूल्य मिल सकेगा।

सामाजिक और आर्थिक उत्थान

बस्तर, कांकेर और कोंडागांव जैसे आकांक्षी जिलों को इस परियोजना से सीधा लाभ मिलेगा। बेहतर सड़क संपर्क से शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाएं इन सुदूर क्षेत्रों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगी। इस राजमार्ग के माध्यम से बस्तर का कृषि उत्पाद और इस्पात सीधे रायपुर, दुर्ग-भिलाई और विशाखापट्टनम जैसे औद्योगिक केंद्रों से जुड़ जाएगा। इससे स्थानीय युवाओं के लिए तकनीकी, प्रबंधन, लॉजिस्टिक्स, रियल एस्टेट और सर्विस सेक्टर में हजारों नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह कॉरिडोर बस्तर में औद्योगिक विकास की एक नई लहर लाने के लिए तैयार है।

औद्योगिक और खनिज विकास

बस्तर क्षेत्र लौह अयस्क और अन्य खनिजों से समृद्ध है। यह कॉरिडोर इन खनिजों को विशाखापत्तनम पोर्ट तक तेजी से पहुंचाने में मदद करेगा, जिससे निर्यात और व्यापार में भारी उछाल आएगा। कॉरिडोर के किनारे नए औद्योगिक क्लस्टर विकसित होने की संभावना है, जिससे स्थानीय स्तर पर विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा।

पर्यटन और सांस्कृतिक पहचान का विस्तार

कनेक्टिविटी में सुधार होने से अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की आमद बढ़ेगी। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा, दंतेश्वरी मंदिर, ढोलकल गणेश, कुतुमसर गुफा और चित्रकोट-तीरथगढ़ जैसे जलप्रपातों तक पहुंच आसान होगी। इससे न केवल पर्यटन राजस्व बढ़ेगा, बल्कि आदिम संस्कृति और लोक कलाओं को भी वैश्विक मंच पर नई पहचान मिलेगी।

पर्यावरण और इंजीनियरिंग का तालमेल

कांकेर जिले के बासनवाही के मंझिनगढ़ पहाड़ी (केशकाल) को चीरकर 2.79 किमी लंबी छत्तीसगढ़ की पहली ट्विन-ट्यूब टनल बनाई जा रही है। यह टनल उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के इको-सेंसिटिव जोन से गुजरती है, जिसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि वन्यजीवों का आवागमन बाधित न हो। साथ ही पूरे राजमार्ग में मंकी कैनोपी, एनिमल अंडरपास और ओवरपास बनाए जा रहे हैं ताकि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना रहे।

रायपुर-विशाखापत्तनम इकोनॉमिक कॉरिडोर

रायपुर-विशाखापत्तनम इकोनॉमिक कॉरिडोर (NH-130 CD) बस्तर संभाग और पूरे छत्तीसगढ़ के आर्थिक परिदृश्य को बदलने वाली एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। लगभग 16,491 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह 464 किमी लंबा ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल कॉरिडोर न केवल दूरी कम करेगा, बल्कि बस्तर जैसे जनजातीय क्षेत्रों को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ने में सेतु का काम करेगा। यह कॉरिडोर बस्तर को विश्व व्यापार की मुख्यधारा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करेगा। यह परियोजना सही मायने में बस्तर की आत्मनिर्भरता और वैश्विक पहचान का आधार बनेगी।

> "रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ के लिए विकास का नया द्वार खोलने जा रहा है। केंद्र सरकार के सहयोग से हम राज्य में आधुनिक और मजबूत अधोसंरचना का तेजी से विस्तार कर रहे हैं। इससे न केवल यात्रा समय कम होगा, बल्कि स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक सीधी पहुंच मिलेगी। हमारी सरकार का लक्ष्य है कि बस्तर जैसे क्षेत्रों को मुख्य धारा की अर्थव्यवस्था से जोड़कर समावेशी और संतुलित विकास सुनिश्चित किया जाए। यह परियोजना आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की दिशा में एक मजबूत कदम है।"
> **मुख्यमंत्री विष्णु देव साय**

> "रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर प्रदेश में कनेक्टिविटी और औद्योगिक विकास को नई गति देगा। विश्वस्तरीय सड़क नेटवर्क तैयार कर नागरिकों और माल परिवहन को सुगम, सुरक्षित और तेज बनाया जा रहा है। इस कॉरिडोर से बस्तर सीधे बंदरगाह से जुड़कर व्यापार और रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा। हमारी प्राथमिकता है कि हर क्षेत्र तक बेहतर सड़क और बुनियादी सुविधाएं पहुंचें, जिससे प्रदेश का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।"
> **उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव**

पोषण 2.0 के प्रभावी क्रियान्वयन से ही कुपोषण पर लगेगा निर्णायक अंकुश : डॉ. श्रीवास्तव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक डॉ. रेणुका श्रीवास्तव ने आईसीडीएस अंतर्गत सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 कार्यक्रमों की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक लेकर सभी जिला कार्यक्रम अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में योजनाओं के क्रियान्वयन, वित्तीय प्रगति तथा जमीनी स्तर की चुनौतियों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में सुपोषण अभियान के तहत जारी फंड एवं उससे संबंधित समस्याओं पर विशेष चर्चा करते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों के उन्नयन तथा मानदेय भुगतान की स्थिति की जानकारी ली गई। संचालक ने निर्देश दिए कि सभी जिलों में आवंटित राशि का समयबद्ध एवं पारदर्शी

उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

संचालक डॉ श्रीवास्तव ने 100 मॉडल आंगनबाड़ी केंद्रों हेतु जारी आवंटन एवं व्यय की समीक्षा करते हुए निर्माण और संचालन कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के स्वीकृत, भरे एवं रिक्त पदों की जानकारी लेते हुए रिक्त पदों को शीघ्र भरने के निर्देश दिए गए। बैठक में सेक्टर पर्यवेक्षकों तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं,सहायिकाओं के यात्रा भत्ता भुगतान की स्थिति पर भी चर्चा की गई। संचालक ने भुगतान में किसी प्रकार की देरी न हो, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कुपोषण मुक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत आवंटित राशि के उपयोग की समीक्षा करते हुए वर्ष 2026-27 के लिए ठोस कायर्योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि कुपोषण उन्मूलन के लिए सभी जिलों को लक्ष्य आधारित कार्य करना होगा।

बैठक में सुपोषण योजना के तहत पोर्टल एंट्री कार्य की समीक्षा करते हुए डेटा एंट्री को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सैनिटरी वेंडिंग मशीन एवं इंसिनरेटर मशीन के स्थापना एवं सुधार कार्यों के लिए आवंटित राशि के उपयोग पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया। वजन मशीनों की मरम्मत एवं रखरखाव हेतु प्राप्त आवंटन एवं व्यय की स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी जिलों को आवश्यक उपकरणों को सुचारू रूप से संचालित रखने के निर्देश दिए गए।

संचालक डॉ. रेणुका श्रीवास्तव ने कहा कि योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम हितग्राही तक पहुंचे, इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग, जवाबदेही और फील्ड स्तर पर सक्रियता बेहद आवश्यक है। उन्होंने सभी अधिकारियों को समय-सीमा में लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में सभी जिलों के जिला कार्यक्रम अधिकारी और संचालनालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

पंडित जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा कॉलेज व अम्बेडकर अस्पताल की उपलब्धि सिकल सेल डायग्नोस्टिक किट राष्ट्रीय मंच पर होगी प्रदर्शित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च यूनिट (एमआरयू) के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित सिकल सेल डायग्नोस्टिक किट को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। इस नवाचार को इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित इनोवेटर्स टू इंडस्ट्री कनेक्ट समिट में प्रदर्शित करने के लिए चयनित किया गया है। यह समिट 23 अप्रैल 2026 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होगा, जहां देशभर के प्रमुख बायोमेडिकल इनोवेटर्स और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

इस सिकल सेल डायग्नोस्टिक किट की खोज एमआरयू के वैज्ञानिक डॉ. जगन्नाथ पाल, डॉ. योगिता राजपूत एवं उनकी टीम द्वारा किया गया है। इस किट के अनुसंधान में एमआरयू की नोडल ऑफिसर डॉ.

मंजुला बेक का विशेष सहयोग रहा है। यह किट विशेष रूप से नवजात शिशुओं में सिकल सेल एनीमिया के शीघ्र निदान तथा एंटीनेटल (गर्भावस्था के दौरान) जांच को ध्यान में रखकर विकसित की गई है।

आईसीएमआर के मेडिकल इनोवेशन पेटेंट मित्र कार्यक्रम के अंतर्गत देशभर से चयनित शीर्ष 10 तकनीकों में इस किट को स्थान मिला है। इस सूची में आईआईटी गुवाहाटी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली तथा टाटा मेमोरियल सेंटर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी शामिल हैं। ऐसे में इस उपलब्धि को संस्थान और छत्तीसगढ़ राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि और सम्मान के रूप में देखा जा रहा है।

इस नवाचार के लिए 6 फरवरी 2026 को इंडियन पेटेंट के लिए आवेदन भी पहले ही किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि इस परियोजना को आईसीएमआर के एक्स्ट्राम्यूरल फंड द्वारा स्पॉन्सर किया गया था, जिससे शोध को आवश्यक सहयोग मिला। यह उपलब्धि क्षेत्र में सिकल सेल जैसी गंभीर बीमारी के शीघ्र और सटीक निदान की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

आईसीएमआर के तहत मेडिकल इनोवेशन पेटेंट मित्र पहल के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम टेक्नोलॉजी शोकेसिंग और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इसका मुख्य लक्ष्य बायोमेडिकल इनोवेशन को उद्योग से जोड़ना, पेटेंट लाइसेंसिंग को प्रोत्साहित करना और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को मजबूत बनाना है। इस कॉन्क्लेव में चयनित तकनीकों को नवीनतम मेडिकल टेक्नोलॉजी प्रदर्शित करने, इंडस्ट्री लीडर्स के साथ सीधे संवाद स्थापित करने तथा कमर्शियलाइजेशन के अवसर तलाशने का मंच मिलेगा।

एमआरयू, रायपुर की टीम को इस किट के प्रदर्शन के लिए आधिकारिक रूप से आमंत्रित किया गया है। उन्हें इवेंट में भाग लेने हेतु पंजीयन, तकनीक का एक पेज का फ्लायर तथा मेक इन इंडिया से संबंधित अंडरटेकिंग निर्धारित समयसीमा में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, प्रतिभागियों को अपनी विकसित किट के साथ कार्यक्रम में उपस्थित रहने के लिए कहा गया है।

इस उपलब्धि पर डीन डॉ. विवेक चौधरी ने कहा कि संस्थान में शोध और नवाचार को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई दे रहे हैं। यह उपलब्धि प्रदेश के चिकित्सा क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। वहीं, अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने कहा कि यह नवाचार राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने वाला है और इससे सिकल सेल जैसी बीमारियों के समय पर निदान में बड़ी मदद मिलेगी। यह सफलता न केवल छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है, बल्कि देश में बायोमेडिकल इनोवेशन को नई दिशा देने वाली पहल के रूप में भी देखी जा रही है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार::-

रा.प्र.क्र. 202604101000113/अ-6/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका / आवेदक - सुकदेव निषाद पथरिया नवागांव आ. ध.प. गैंदा निवासी-पथरिया नवागांव द्वारा ग्राम बासीन प.ह.नं.11 रा.नि.मं. जेवरा-सिरसा तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 192, 193 रकबा 0.3200, 0.7600 हे. भूमि भूमिस्वामी सुकदेव निषाद / गैंदा वगैरह के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी वर्तमान में बालिग होने कारण ना.बा. शब्द विलोपित किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय स्कूल दाखिल - खारिज आधार कार्ड प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि पर नाबालिग से बालिग दर्ज करने/अभिलेख सुधार किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 11/5/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/4/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

संपादकीय

पीएम मोदी को जो संदेश देना था वह दे दिया

देश की राजनीति में आधी आबादी की भूमिका 2014 के बाद से ज्यादा अहम हो गई है क्योंकि किसी भी राज्य या केंद्र की जीत में उनकी भूमिका पहले से ज्यादा अहम हो गई है। जिस राजनीतिक दल को महिलाओं का वोट एकमुश्त मिलता है, उसकी चुनाव में जीत की संभावना बढ़ जाती है। पिछले कई राज्यों के चुनावों में महिलाओं ने जिस राजनीतिक दल को वोट दिया है सरकार भी उसी दल की बनी है। सारे राजनीतिक दल चुनाव वाले राज्यो में महिलाओं का वोट लेने के लिए सबसे ज्यादा ध्यान दे रहे हैं क्योंकि जिसकी सरकार है वह राजनीतिक दल चाहता है महिलाओं उनको ज्यादा वोट देकर उनकी सरकार को बनाए रखने में अहम रोल अदा कर सकती है, वही जो राजनीतिक दल सत्ता में नहीं हैं वह चाहते हैं कि महिलाएं उनको वोट दल राज्य में सत्ता परिवर्तन करें। यानी चाहे सरकार को बनाए रखना हो या सरकार को बदलना हो ,महिलाओं की भूमिका सबसे ज्यादा अहम हो गई है।

अभी पांच राज्यों में से तीन राज्यों में चुनाव हो चुके है तथा दो राज्यों में तमिलनाडु व पं.बंगाल में आगामी दिनों दो चरणो में चुनाव होने हैं ।किसी ने सोचा नहीं था कि पीएम मोदी व अमित शाह संसद सत्र का विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण के लिए संशोधन विधेयक पेश कर सकते हैं लेकिन पीएम मोदी व शाह ने महिला आरक्षण संशोधन विधेयक यह जानते हुए भी कि इसे पारित कराने के लिए उनके पास संख्या नहीं है। संसद का विशेष सत्र बुलाकर पेश किया तो इसके पीछे पीएम मोदी व अमित शाह की कोई दीघर्कालिक योजना है। यह ऐसी दीघर्कालिक योजना हो सकती है जिसका लाभ अभी के चुनाव में तो होगा ही, इसके अलावा आने वाले चुनावों में भी इसका लाभ भाजपा को हो और विपक्ष को नुकसान हो।

पांच राज्यों के चुनाव में सभी राज्यों के क्षेत्रीय दल व कांग्रेस महिलाओं को अपने पाले में करने के लिए चुनावी घोषणा पत्र में एक एक बढ़कर वादे कर रहे हैं कोई नगद पैसा देने का वादा कर रहा है तो कोई फ्रिज,कूलर व टीवी खरीदने के लिए आठ हजार रुपए का कूपन देने का वादा कर रहा है. इसके अलावा महिलाओं को और जो कुछ भी दिया जा सकता है,सब देने का प्रयास किया जा रहा है। चुनाव कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल महिलाओं को यह बता रहे हैं,जता रहे हैं कि हम तुमको वह सब देने वाले हैं जो भाजपा नहीं दे सकती ।ऐसे में भाजपा ने चुनाव घोषणा पत्र में दूसरे दलों के अनुसार बहुत कुछ देने की घोषणा तो की है तथा महिला आरक्षण के मामले को चुनाव के दौरान संसद में उठाकर देश व चुनाव वाले राज्यों की महिलाओं को यह बताने का प्रयास किया है कि यह सारे दल जो महिलाओं के लिए देने वाला बने हुए हैं यह महिलाओं को आरक्षण तीस साल से नही दे रहे हैं। देश की महिलाओं की तीस साल से आरक्षण नहीं मिला है तो इसके लिए कांग्रेस व विपक्ष के दल दोषी है।

विपक्ष हमेशा की तरह पीएम मोदी व शाह की चाल को समझ नहीं पाया और उसका मौका मिला था कि वह महिलाओं का आरक्षण का हक देने वाले बने और अपने पुराने पापों की प्रायश्चित कर लें। पीएम मोदी व शाह जानते थे कि राहुल गांधी के सामने यदि मोदी को हराने व महिलाओं को उनका हक देने वाला नेता बनने का मौका मिले तो वह महिलाओं को हक देने वाला नेता नहीं बनेंगे वह पीएम मोदी को संसद में हराने वाले नेता बनना पसंद करेंगे। यही राहुल गांधी व विपक्ष ने किया है। संसद में जो कुछ हुआ उससे देश की महिलाओं का यही संदेश गया है कि पीएम मोदी व शाह ने महिलाओं को 2029 से पहले संसद व विधानसभा में आरक्षण देना चाहते हैं और कांग्रेस व विपक्ष के कारण फिर एक बार ऐसा संभव नही हो सका है।

राहुल गांधी कई राज्यों में कांग्रेस को चुनाव जीता नहीं पाएं है, इससे कांग्रेस तीन राज्यों तक ही सिमट गई है। तीन लोकसभा चुनाव में भी राहुल गांधी मोदी को हरा नहीं पाए हैं संसद के भीतर भी राहुल गांधी कई बार वोटिंग होने के बाद भी हरा नहीं पाए हैं। उनकी सबसे बड़ी इच्छा किसी भी तरह से पीएम मोदी को हराने की थी। पीएम मोदी ने उनको खुद यह मौका दिया और राहुल गांधी समझ नहीं पाए कि पीएम मोदी उनको हराने का मौका क्यों दे रहे हैं। तमिलनाडु व पं.बंगाल के बाद आने वाले चुनावों में भाजपा महिला आरक्षण को धारा-370, राममंदिर जैसा बड़ा मुद्दा बनाने वाली है, महिलाओं के लिए संदेश है कि जो लोग तुमको आरक्षण देना चाहते हैं उनको वोट दो। जो लोग तुमको वोट नही देना चाहते उनको पहचानों और अपना कीमती वोट उनको मत दो क्योंकि यह जीतेंगे तो आरक्षण रोकते रहेंगे जैसे तीस साल से रोकते रहे हैं।

आम की सोच को बौना बनाती 'खास संस्कृति'

विश्वनाथ सचदेव

पड़ोसी राष्ट्र नेपाल की सरकार ने विशिष्ट ह्यसंस्कृतिह्न वाली मानसिकता के खिलाफ आदेश दिया है कि मंत्रियों की कारों के काफिले नहीं चलेंगे, उनकी कारें सायरन नहीं बजाएंगी, यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर दंड मिलेगा। बच्चे, चाहे वे मंत्री के हों या अफसर के, सरकारी स्कूल में ही पढ़ेंगे।

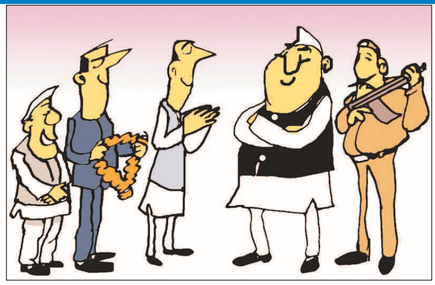

खबर मध्य प्रदेश के रायसेन में सांची रोड पर हुई एक सड़क-दुर्घटना की है। इस दुर्घटना में एक पत्रकार की मृत्यु हो गयी। बताया जा रहा है कि घायल को अस्पताल पहुंचाने के लिए समय पर एंबुलेंस नहीं मिल पायी, अन्यथा पत्रकार की शायद जान बच सकती थी। इस तरह की कोई अनोखी घटना नहीं है यह। अक्सर होता रहता है ऐसा। अक्सर आम आदमी को एंबुलेंस-सेवा का समय पर लाभ नहीं मिल पाता। अक्सर मंत्रियों की कारों के काफिले सायरन बजाते, धूल उड़ाते आम आदमी को अंगूठा दिखाते, सड़कों पर आगे निकल जाते हैं। लाल और नीली बत्तियों वाले यह काफिले उस संस्कृति का एक चेहरा हैं जिसे आम बोल-चाल की भाषा में वीआईपी कल्चर यानी विशिष्ट लोगों की व्यवस्था कहा जाता है।

राजनीति में इस व्यवस्था का चेहरा अक्सर दिख जाता है। मंत्रियों के कारों को किसी रुकावट का सामना न करना पड़े, इसके लिए आम जनता की कारें कहीं भी, और कभी भी, रोकी जा सकती हैं। सुरक्षा के नाम पर ऐसी व्यवस्था की गयी है कि किसी मंत्री की कार को अकेले कहीं आना-जाना न पड़े। उनकी गाड़ी के आगे भी गाड़ियां होती हैं, पीछे भी। माना जाता है इससे शासक का रुतबा बढ़ता है! इसी रुतबे का नाम है वीआईपी कल्चर यानी विशिष्ट जनों वाली राजनीतिक संस्कृति। इस संस्कृति की पहचान सिर्फ कारों का काफिला नहीं होती। बड़े लोग कई-कई तरीकों से अपना बड़ा होना सिद्ध करने की कोशिश में लगे रहते हैं।

कथित बड़े लोगों के बच्चे सरकारी अस्पतालों में नहीं पैदा होते। उनके लिए शानदार और महंगे अस्पताल हैं। यह बच्चे सरकारी स्कूलों में भी नहीं पढ़ते। सरकारी स्कूल तो आम आदमी के लिए होते हैं। आम आदमियों के बच्चों के लिए सरकारी स्कूल हैं जहां न बच्चों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था होती है न ठीक-ठाक दिखने वाले स्कूली इमारत की। अक्सर ऐसे खस्ता हाल स्कूलों के बारे में समाचार छपते, प्रसारित होते रहते हैं, पर स्थिति में कोई परिवर्तन आता नहीं दिखता। सरकारी अफसरों, राजनेताओं, पैसे वालों के बच्चों के लिए वीआईपी कल्चर में खास स्कूल होते हैं। खास यानी महंगे। हां, इनका महंगा होना इनकी पहली पहचान और खासियत है। माना जाता है कि इन महंगे स्कूलों की पढ़ाई भी अच्छी होती है। इस अच्छेपन की परिभाषा भी अलग-अलग होती है। एक परिभाषा यह है कि इन स्कूलों की इमारतें शानदार हों, यहां पढ़ने वाले बच्चे कारों या टैक्सियों में आयें, अच्छे कपड़े पहने हों। कक्षाएं एयरकंडीशन्ड हों। यहां पढ़ाई जाने वाली किताबें भी महंगी होती हैं और पढ़ाने वाले अध्यापक भी!

देखा जाये तो सांची रोड पर होने वाली सड़क दुर्घटना में इस महंगी शिक्षा यानी, वीआईपी कल्चर का कोई सीधा संबंध नहीं दिखता, पर रिश्ता है। यह रिश्ता आदमी को आम और खास आदमी में बांटने वाला है। खास यानी जिसके लिए खास व्यवस्था हो। आम वर्ग की तुलना में यह खास वर्ग बहुत छोटा है, पर इसका प्रभाव बहुत बड़ा माना जाता है। विडंबना यह है कि यह छोटा वर्ग समाज की सोच पर हावी ही नहीं रहता, लगातार इस कोशिश में भी रहता है कि उसका प्रभाव बड़ा हो ही नहीं, बड़ा दिखे भी। बड़ा दिखने की यह लालसा ही वीआईपी कल्चर को जन्म देती, उसे पालती-पोसती है। मजे की बात यह है कि इस लालसा की अक्सर आलोचना होती है, इसे समाप्त करने के वादे और दावे भी किये जाते हैं, पर व्यवहार में ऐसा होता नहीं दिखता। दिखना चाहिए।

हमारे पड़ोसी राष्ट्र नेपाल की नयी सरकार ने एक रास्ता दिखाया है इस विशिष्ट संस्कृति वाली मानसिकता को समाप्त करने का। इसी मार्च, 2026 में वहां चुनाव हुए थे। इस चुनाव के बाद एक ऐतिहासिक बदलाव आया है वहां की राजनीति में। देश के नये और युवा प्रधानमंत्री, 36 वर्षीय बालेन शाह, ने दशकों पुराने राजनीतिक दलों का वर्चस्व ही समाप्त नहीं किया, एक समतावादी राजनीतिक संस्कृति को स्थापित करने का संकल्प भी लिया है। देश में आदेश जारी कर दिया गया है कि मंत्रियों की कारों के काफिले नहीं चलेंगे, सड़कों पर दौड़ती उनकी कारें सायरन नहीं बजाएंगी, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाला चाहे कोई भी हो, उसके साथ कानून एक जैसा व्यवहार करेगा। एक बड़ा बदलाव यह भी है कि अब नेपाल में बच्चे, चाहे वे मंत्री के हों या संत्री के, सामान्य कमर्चारियों के अथवा किसी अफसर के, सरकारी स्कूल में ही पढ़ेंगे। वीआईपी कल्चर को समाप्त करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है, और यदि सफल हो जाता है तो छोटा-सा देश नेपाल समतावादी समाज की रचना की दिशा में एक बड़ा उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

अक्सर इस तरह की लोक-लुभावन घोषणाएं शासक-वर्ग करता है। हमारे देश में भी कई बार इस तरह की घोषणाएं होती रही हैं, पर देखा यह भी गया है कि जल्दी ही घोषणाएं भुला दी जाती हैं। कुछ साल पहले ही जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी थी, तो बड़े जोर-शोर से यह घोषणा हुई थी कि आम आदमी पार्टी के मंत्री बड़ी-बड़ी कारों में नहीं चलेंगे, बड़े बंगलों में नहीं रहेंगे। उनके बच्चे आम सरकारी स्कूलों में शिक्षा पायेंगे, उनके इलाज सरकारी अस्पतालों में होंगे। पर जल्दी ही इन घोषणाओं का मुल्लम्मा उतर गया। मंत्री बड़े-बड़े बंगलों में पहुंच गये, तीन कमरों के मकान में रहने वाले मुख्यमंत्री के लिए शीशमहल बन गया। लालबत्ती वाली कारों के काफिले सड़कों पर दौड़ने लगे। पार्टी का नाम भले ही आम आदमी से जुड़ा हो, पर सरकार खास संस्कृति वाली ही बनी रही। आवश्यकता है इस खास संस्कृति की मानसिकता के खिलाफ उठ खड़े होने की।

सही मायनों में बीमार है यह मानसिकता। यह मानसिकता आम आदमी की सोच को बौना बनाती है। इसी बौनेपन का एक उदाहरण यह है कि सरकारी स्कूल बंद होते जा रहे हैं और महंगे निजी स्कूल कुकुरमुत्तों की तरह उग रहे हैं, फल-फूल रहे हैं। शहरों में ही नहीं, गांवों तक में इंटरनेशनल स्कूल खुल रहे हैं! इस इंटरनेशनल का क्या मतलब है, यह वही जानें, पर यह जानना हम सबके लिए जरूरी है कि यह वीआईपी कल्चर हमारे समाज को भीतर ही भीतर खोखला बना रहा है। सवाल सिर्फ आर्थिक विषमता का ही नहीं है, सामाजिक विषमता के चलते टुकड़ों में बंटता चला जा रहा है हमारा समाज। इस बंटवारे को रोकना ही होगा।

इस दिशा में हमारे पड़ोसी देश नेपाल की कोशिशें आश्वासन देने वाली हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि यह कोशिशें सफल होंगी। ऐसी कोई भी सफलता हमारे लिए मार्ग-दर्शन का काम कर सकती हैं। हमें सीखना ही होगा कि प्रधानमंत्री के काफिले के पास से किसी एंबुलेंस को गुजार देना मात्र ही वीआईपी संस्कृति का नकार नहीं है। समता का दर्शन हमारी सोच का एक आधार बनना चाहिए। मंत्रियों को अहसास होना चाहिए कि लालबत्ती वाली कारों के काफिले उन्हें बड़ा नहीं बनाते, बड़ा उन्हें यह सोच बनायेगी कि वे एक ऐसे देश के नागरिक हैं जो मनुष्य की समानता और एकता में विश्वास करता है। और आम नागरिक को भी यह समझना होगा कि बड़ा होने और बड़ा दिखने में अंतर होता है। लालबत्ती वाली संस्कृति हमें बड़ा नहीं, छोटा बनाती है। यह हमें तय करना है कि हम छोटा बनना चाहते हैं या बड़ा।

मानव हित सर्वोपरि : नैतिकता अनुरूप हो कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग

हमारे समाज के बुद्धिजीवी, अध्यात्मिक व सामाजिक चिंतक गाहे-बगाहे कृत्रिम बुद्धिमत्ता से मानवीय मूल्यों के क्षरण पर लगातार चिंता जताते रहे हैं। अब इस चिंता पर पोप लियो 14 की स्वीकारोक्ति ने मोहर लगायी है। उन्होंने आशंका जतायी है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से वैश्विक ध्रुवीकरण, संघर्ष, भय और हिंसा को बढ़ावा मिल सकता है। उनके इस बयान ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। ऐसे वक्त में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सुविधा, गति व नवाचार के लिये सराहा जा रहा है, पोप ने चेताया है कि नैतिकता के बिना प्रौद्योगिकी घातक साबित हो सकती है।

इसमें दो राय नहीं कि मूल रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता बुरी नहीं है, लेकिन यह तटस्थ भी नहीं है। निस्संदेह, इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता कि संस्थान व सरकारें इसे कैसे डिजाइन करती हैं और कैसे इसका उपयोग करती हैं। हाल की कुछ घटनाओं ने इन चिंताओं की पुष्टि भी की है। विभिन्न देशों के लोकतांत्रिक चुनाव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित डीपफेक और क्लोन की गई आवाजों का प्रयोग झूठे विमर्शों को फैलाने, मतदाताओं को भ्रमित करने में किया गया। जिससे दुनिया में लोकतांत्रिक संस्थानों के प्रति जनता का भरोसा डिगा है। यह खतरनाक है कि साइबर ठगों ने क्लोनिंग उपकरणों के जरिये आवाज का उपयोग परिवार के सदस्यों व अधिकारियों के रूप में किया है। इसके जरिये साइबर अपराधियों ने पूरी दुनिया में लाखों लोगों की जीवन भर की पूंजी तक लूटी है।

विडंबना है कि जिस कार्य को अब तक तकनीकी-कौशल व संसाधनों के जरिये किया जाता था, वह तकनीक से अब आसानी व बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग भ्रामक सूचनाओं के लिये ही नहीं किया जा रहा है। आशंका है कि उन्नत एआई के जरिये वित्तीय प्रणालियों और साइबर सुरक्षा को खतरा पैदा किया जा सकता है। चिंता है कि शक्तिशाली एआई तकनीक से वित्तीय व्यवस्था की कमजोर कड़ियों को निशाना बनाया जा सकता है। जिसे पकड़ना नियामक संस्थाओं के लिये मुश्किल होगा। ये स्वचालित हमले बैंकिंग नेटवर्क में धोखाधड़ी करने में सक्षम हो सकते हैं। जो हमारी डिजिटल दुनिया से भी आगे घातक प्रभाव डाल सकते हैं। जिससे देशों में वित्तीय संकट पैदा हो सकते हैं।

भुगतान व्यवस्था में व्यवधान व विश्वास से छल तथा राजनीतिक दुष्प्रचार से समाज में अस्थिरता पैदा हो सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के पर्यावरणीय घातक प्रभाव भी कम नहीं हैं। एआई के विस्तार के लिये विशाल डेटा केंद्रों, कोबाल्ट व लिथियम जैसे खनिजों की खुदाई की जरूरत होती है। जिसके लिये भारी पर्यावरणीय व मानवीय लागत की जरूरत होती है। निस्संदेह, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में न तो इसे नकारा ही जा सकता है और न ही ये बुद्धिमत्ता का फैसला होगा, लेकिन इसका जिम्मेदारी से प्रयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन व उत्पादकता में यह रामबाण सिद्ध हो सकती है, लेकिन यह मजबूत कानून, कंपनियों के सिस्टम की पारदशिर्ता व सुरक्षा से ही निरापद हो सकती है। नागरिकों की डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना होगा।

महतारी वंदन योजना से मिली नई दिशा, प्रेम बाई बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बन रही है। ग्रामीण अंचलों की महिलाएं इस योजना के जरिए आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर रही हैं। सक्ती जिले के विकासखंड सक्ती अंतर्गत ग्राम भूरसीडीह की निवासी श्रीमती प्रेम बाई पटेल इसकी प्रेरक उदाहरण हैं।

श्रीमती प्रेम बाई पटेल को योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली आर्थिक सहायता की अब तक 26वीं किस्त प्राप्त हो चुकी है। इस नियमित सहयोग ने उनके जीवन में उल्लेखनीय बदलाव लाया है। उन्होंने प्राप्त राशि का उपयोग करते हुए गुपचुप (पानीपुरी) का ठेला शुरू किया, जिसे वे गांव-गांव घूमकर संचालित करती हैं। इस छोटे व्यवसाय से उन्हें नियमित आय प्राप्त हो रही है, जिससे उनका परिवार अब आर्थिक रूप से सशक्त हो रहा है। श्रीमती प्रेम बाई इस आय से घर की आवश्यक जरूरतों—जैसे राशन एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री—की पूर्ति कर रही हैं। साथ ही वे अपने बच्चों के भविष्य के लिए भी बचत कर पा रही हैं। वे बताती हैं कि पहले जहां आर्थिक परेशानियां थीं, वहीं अब उनके जीवन में स्थिरता आई है, आत्मविश्वास बढ़ा है और स्वावलंबन की भावना विकसित हुई है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करने और महिलाओं के समग्र विकास के उद्देश्य से यह योजना मार्च 2024 में प्रारंभ की गई थी। तब से अब तक प्रदेश की हितग्राही महिलाओं को प्रतिमाह एक-एक हजार रुपये की सहायता राशि नियमित रूप से प्रदान की जा रही है। इस योजना के तहत अब तक 26 किस्तों में कुल 16,881 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है, जिससे लाखों महिलाओं को सीधा लाभ मिला है। श्रीमती प्रेम बाई पटेल ने इस योजना से हुए सकारात्मक परिवर्तन के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस योजना ने उनके जीवन को नई दिशा दी है और अब वे सम्मानपूर्वक आत्मनिर्भर जीवन जी रही हैं।

साहेबिन कछार में गिरधर सोरी और जुगसाय गोड को मिला जीवन का नया सहारा

गरियाबंद जिले के घने जंगलों के बीच बसे पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्र साहेबिनकछार में अब स्पष्ट बदलाव दिखलाई पड़ रही है। काफी वर्षो तक वहॉ भय, अभाव और उपेक्षा झेलने वाले इस गांव में अब विकास की उम्मीद दिखने लगी है। 70 वर्षीय गिरधर सोरी नक्सल प्रभावित क्षेत्र में रहने के कारण वे वर्षो तक मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहे। उनकी जिंदगी जैसे थम सी गई थी। लेकिन जैसे ही क्षेत्र नक्सल मुक्त हुआ और जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन गॉव में किया गया तो उनकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। शिविर के दौरान उन्हें व्हीलचेयर प्रदान किया गया। यह सिर्फ उनके लिए एक साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और सम्मान के साथ जीने सहारा बन रहा है। जिससे उनके चेहरे पर स्पष्ट मुस्कान दिखलाई दे रही है।

नक्सल मुक्त होने के बाद साहेबिनकछार में पहली बार जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें कलेक्टर बीएस उईके, पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर और जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर सहित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं, शिकायतें और मांगें खुलकर रखीं। जिनका मौके पर ही समाधान किया गया। साहेबिनकछार आज भी कई मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। यहां न पक्की सड़क है और न ही नियमित बिजली सौर ऊर्जा के सहारे ही जीवन चल रहा है। शासन-प्रशासन द्वारा पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, आवास और खाद्य आपूर्ति जैसी सुविधाएं पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर ग्रामीणों को लाभान्वित किया जा रहा है। इसी प्रकार शिविर में 65 वर्षीय जुगसाय गोड को भी समाज कल्याण विभाग द्वारा चलने में सहारा देने के लिए छड़ी प्रदान की गई। यह छोटी सी मदद उनके लिए बड़ी राहत साबित हुई। इस पर उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया।

बदलाव के अभियान : राष्ट्रीय लक्ष्यों के लिए नागरिक संबल भी मिले

सुरेश सेठ

राष्ट्र के उत्थान के लिये जो बड़े बदलाव के प्रयास होते हैं, यदि वे वाकई परिवर्तन के वाहक हों , तो जनता का सकारात्मक संबल मिलना चाहिए। हमें भविष्य की चुनौतियों के मुकाबले और राष्ट्रीय एकता के लिये कुछ त्याग भी करने चाहिए।

राजग सरकार का दावा है कि उसने देश में हमेशा बदलाव की राजनीति की है। भाजपा ने 1994 में राजनीति के हर चरण पर महिला आरक्षण का मुद्दा उठाया था। अब मौजूदा सरकार ने संसद का एक विशेष ?सत्र बुलाकर राजनीति में महिला आरक्षण लागू करने का प्रयास किया है। सरकार की मंशा थी कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में भी महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण मिल जाए। इससे पहले जब राजग सरकार ने अनुच्छेद 370 और 35-ए का 2019 में उन्मूलन किया था तो कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त हुआ। ?कश्मीर से लद्दाख को अलग करके उसके पुनः परिसीमन का प्रयास किया। वैसे देश की कुरीतियों को हटाना भी अगर बदलाव कहें तो जब सरकार ने तीन तलाक को गैर-कानूनी घोषित कर दिया था तो इसे भी एक बदलाव कहा जा सकता है।

भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि देश में बदलाव का अभियान रुकेगा नहीं। हमारे बदलाव के एजेंडे में अभी भी एक बड़ी बात अधूरी है, एक बड़ा लक्ष्य अभी पूरा करना है, वह यह है कि अलग-अलग धर्मों, जातियों और वर्णों वाले देश में समान नागरिक संहिता लागू की जाए। इस प्रायद्व ?ीप जैसे बड़े देश में कभी केन्द्र और कभी राज्यों के चुनाव करते समय, शक्ति और पैसा बर्बाद करने की बजाय एक राष्ट्र और एक चुनाव की धारणा को साकार किया जाए। निस्संदेह, समान नागरिक संहिता लागू करने में धार्मिक कट्टरता या व्यावहारिक कठिनाइयां भी सामने आ रही हैं लेकिन इन्हीं पर आज विशेष चिंतन की जरूरत है। देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिये आज इसकी जरूरत है।

इसका जवाब यह दिया जाता है कि जहां सरकार टूटे, वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया जाए और चुनाव एक ही समय पर करवाए जाएं क्योंकि इससे देश को भारी चुनावी खर्च से मुक्ति मिल जाएगी । यह भी सत्य है कि जब-जब जहां चुनाव घोषणाएं होती हैं, सत्तापक्षी-विपक्षी दल आरोपों की राजनीति करते हुए एक दूसरे से भिड़ जाते हैं। अगर एक देश एक चुनाव हो जाएगा तो यह पांच साल में केवल एक बार होगा। हमारा विचार यह है कि यह प्रस्ताव देश के हित में अवश्य है लेकिन राजनीतिक दलों को अपनी सत्ता मोह की राजनीति की जगह जनकल्याण पक्षीय राजनीति अपनानी पड़ेगी।

समान नागरिक संहिता जिसे यूसीसी भी कहते हैं, को लागू करने का विचार बहुत देर से भाजपा के एजेंडे में है। गौर करें कि इस देश में विभिन्न जातियां और विभिन्न धर्म हैं, इसलिए विवाह से लेकर बच्चा गोद लेने तक के अधिकतर कानून एक समान बना दिए जाएं। बेशक हमने अपने संविधान को धर्मनिरपेक्ष घोषित कर रखा है, इसलिए आदर्श स्थिति तो यही है। हमारा देश जाति और धर्म में अस्मिताओं को लेकर बंटा हुआ है। हम कानून के तरीके से समान कानून के साथ एक जाति रहित समाज की कल्पना कर रहे हैं।

बेशक हम पाते हैं कि ब्रिटिश काल के कई पुराने कानून खत्म हुए हैं। सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए भी दस फीसदी आरक्षण मिल गया है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भी हो गया है। देश बदला है, इसे और बदलना चाहिए। सपना राजनीतिज्ञ देखते हैं, लक्ष्य नेतृत्व जारी करता है और आम आदमी जागृति प्राप्त करके इसका पालन करते हुए अपने समाज को एक आदर्श समाज बना सकता है। लेकिन व्यवहार में हर आदमी का संकीर्ण हित उसके सामने सवीपरि हो जाता है। वह भूल जाता है कि हजारों लोगों ने डेढ़ सदी तक अंग्रेजों के साथ संघर्ष करके इस देश को आजादी दिलवाई है। अब इसे भौतिकवाद और निजी स्वार्थपरता के अंधेरों में गुम नहीं कर देना चाहिए। समान नागरिक संहिता और एक राष्ट्र एक चुनाव मौजूदा स्थिति से उठकर एक आदर्श समाज बनाने का सपना है। इस सपने को साकार करने में अभी तक बहुत कठिनाइयां आ रही हैं लेकिन भाजपा सरकार ने अपने दल की वषर्गांठ पर अपनी प्रतिबद्ध ?ता फिर इन सपनों को साकार करने के लिए जताई है। इसका अच्छे होने में तो कोई संदेह नहीं। हां, व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर करना ही पड़ेगा।

मुख्यमंत्री निवास में छत्तीसगढ़ बंगाली समाज के साथ मनाया बंगाली नववर्ष

मुख्यमंत्री निवास में हुआ आयोजन : वैशाली नगर विधान सभा से संजीत ,श्यामल और शांतनु हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ प्रदेश मुख्यमंत्री निवास में शुभो नववर्षो (पोयला बैशाख) के अवसर पर छत्तीसगढ़ बंगाली समाज का मिलन समारोह एवं रात्रि भोज का आयोजन मुख्यमंत्री विष्णु सायं , गृहमंत्री विजय शर्मा एवं भाजपा प्रदेश विधायक किरण देव सिंह के विशेष अतिथि में रायपुर में सम्पन्न हुआ जिस कार्यक्रम में वैशाली नगर विधान सभा क्षेत्र से छत्तीसगढ़ बंगाली युवा महासंघ के महासचिव संजीत चक्रवर्ती , वैशाली नगर कालीबाड़ी के कोषाध्यक्ष श्यामल मुखर्जी , ज्वाइंट सेक्रेटरी शांतनु घोष सहित भिलाई दुर्ग रायपुर बिलासपुर , कांकेर बस्तर सहित प्रदेश के सैकड़ों बंगाली समाज के प्रतिनिधि गण सम्मिलित हुए 'रात्रि भोज में बंगाली व्यंजन की व्यवस्था किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु सायं ने छत्तीसगढ़ प्रदेश के हर अंचल से आए बंगाली समाज के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए बंगाली शुभों नवबर्ष की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि बंगाली समाज का देश की स्वतंत्रता अमूल्य योगदान रहा है जिनमें स्वामी विवेकानंद , राम कृष्ण परमहंस , रविंद्र नाथ टैगोर , सुभाष चंद्र बोस और श्यामप्रसाद मुखर्जी जैसे महान विभूतियों ने मातृभूमि की सेवा में जीवन समर्पित कर दिया जिनका सारा राष्ट्र कृतज्ञ है ' उन्होंने बंगाली समाज के विभिन्न मांगो को शीघ्र पूरा करने का आश्वासन दिया । गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बंगाली समाज छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचल में स्वरोजगार के माध्यम से प्रदेश को विकसित करने में अग्रणी भागीदारी निभा रहे है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ बंगाली महासंघ

महासचिव संजीत चक्रवर्ती ने कहा कि बंगाली समाज सदैव सामाजिक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अग्रणी रहता है किन्तु राजनीतिक दल का उपेक्षा करते हैं अतः आग्रह है के समाज के योग्य लोगों को सम्मान हेतु सत्ता एवम संगठन में पर्याप्त प्रतिधिनित्व देने की मांग की। साथ ही वैशाली नगर कालीबाड़ी कोषाध्यक्ष श्यामल मुखर्जी एवं ज्वाइंट सेक्रेटरी शांतनु घोष ने आगामी अक्टूबर माह 2026 में वैशाली नगर बंगाली कालीबाड़ी में दुर्गा पूजा का 50 वा वर्ष आयोजन पर सादर आमंत्रित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन" सेव बंगाल सेव इंडिया " के कॉडिर्नेटर गोपाल सामंतों ने किया।

खास खबर

स्व-सहायता समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहीं महिलाएं

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़-छुईखदान-गंडई

जिले के कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के निर्देशानुसार बीते दिनों विकासखंड छुईखदान के बैगा बहुल ग्राम सरई पतेरा एवं लालपुर में महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु विशेष अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बैगा जनजाति की महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर आर्थिक रूप से सक्षम बनाना एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करना रहा। कार्यक्रम के दौरान पद्मश्री फुलबासन यादव के मार्गदर्शन में महिलाओं को स्व-सहायता समूहों के महत्व एवं उससे होने वाले लाभों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि समूह से जुड़कर वे अपनी आय में वृद्धि कर सकती हैं, साथ ही सामाजिक रूप से भी सशक्त बन सकती हैं। इस दौरान महिलाओं को समूह की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया गया।

अभियान में लगभग 150 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें से कई महिलाओं ने स्व-सहायता समूह से जुड़ने की इच्छा व्यक्त की। इसके लिए संभावित सदस्यों की सूची तैयार कर आगे समूह गठन की प्रक्रिया को गति देने की पहल की गई। कार्यक्रम में जिला पंचायत एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारी-कर्मचारी, डीपीएम, बीपीएम, एसी, पीआरपी, एफएलसीआरपी, सक्रिय महिलाएं, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजधानी रायपुर में भूमिहार ब्राह्मण समाज ने मनाया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

रायपुर। राजधानी रायपुर में भूमिहार ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। ब्रह्म ऋषि भूमिहार ब्राह्मण समाज, रायपुर के सदस्यों ने अपने परिवारों सहित इस पावन अवसर पर बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं धूप-दीप के साथ भगवान परशुराम की आरती और आराधना से हुआ। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें समाज के लोगों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। उपस्थित जनों ने भगवान परशुराम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया। सम्मान समारोह के दौरान वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि शस्त्र और शास्त्र का संतुलन ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाज के अध्यक्ष श्री सुमन राज शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान परशुराम केवल एक युग के महान योद्धा ही नहीं, बल्कि सनातन चेतना के प्रतीक हैं, जिनके आदर्श आज भी समाज को दिशा प्रदान करते हैं।

दुधावा जलाशय नहर परियोजना को मिली गति

रायपुर। राज्य शासन द्वारा कांकेर जिले के विकासखण्ड नरहरपुर अंतर्गत दुधावा जलाशय की दाई तट नहर निर्माण कार्य के लिए 25.32 करोड़ की तृतीय पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना के पूर्ण होने पर लगभग 1214 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे क्षेत्रीय कृषि उत्पादन में वृद्धि के साथ किसानों की आय में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। योजना का व्यय अनुसूचित जनजाति उपयोजना अंतर्गत लघु सिंचाई मद से किया जाएगा। राज्य शासन ने निर्देशित किया है कि कार्य निर्धारित समय-सीमा एवं स्वीकृत लागत के भीतर ही पूर्ण किया जाए। कार्य प्रारंभ से पूर्व तकनीकी स्वीकृति लेना तथा निविदा प्रक्रिया को पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धात्मक बनाए रखना अनिवार्य होगा।

बदलते और संवरते की एक और निशानी है कोरबा रायफल शूटिंग रेंज - मंत्री लखन लाल देवांगन

उद्योग मंत्री व महापौर संजूदेवी ने स्टेडियम के पीछे स्थापित कोरबा रायफल शूटिंग रेंज का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / कोरबा

प्रदेश के वाणिज्य उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने शानिवार को कहा कि हमारा कोरबा शहर तेजी के साथ बदल रहा है, तेजी के साथ संवर रहा है तथा शहर को नित नई उपलब्धियाँ प्राप्त हो रही है। उन्होने कहा कि नगर निगम द्वारा स्थापित कोरबा रायफल शूटिंग रेंज बदलते कोरबा - संवरते कोरबा की एक और निशानी है, एक और प्रमाण है, उन्होने कहा कि कोरबा के खिलाड़ियों, रायफल शूटिंग के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने वाले यहाँ के युवाओं, बच्चों व शूटिंग प्रेमियों को रायफल शूटिंग रेंज की यह बड़ी सौगात देने के लिये मैं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, आयुक्त आशुतोष पाण्डेय व सभापति नूतन सिंह ठाकुर को बधाई एवं साधुवाद देता हूँ।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा टीपीनगर स्थित प्रियदशर्नी इंदिरा स्टेडियम के पीछे कोरबा रायफल शूटिंग रेंज की स्थापना की गई है, यहाँ उल्लेखनीय है कि निगम के सभापति नूतन सिंह ठाकुर जो कोरबा रायफल शूटिंग एकेडमी के सचिव भी हैं, के द्वारा आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के समक्ष प्रस्ताव रखा कि कोरबा में रायफल शूटिंग रेंज स्थापित किया जाये, इस प्रस्ताव पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत व आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने सहर्ष सहमति दी तथा कोरबा में रायफल शूटिंग रेंज स्थापित किया।

आयोजित एक गरिमापूर्ण कार्यक्रम में प्रदेश के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में कोरबा रायफल शूटिंग रेंज का विधिवत शुभारंभ किया गया, उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने लोकार्पण पट्टिका का अनावरण किया एवं फीता काटा तथा

हम सबके लिये प्रसन्नता व गर्व का क्षण

इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोरबा में रायफल शूटिंग रेंज की स्थापना की गई, आज उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने इसका शुभारंभ किया, यह हम सबके लिये प्रसन्नता व गर्व का क्षण है, हमें इस बात की विशेष खुशी है कि हमारे आयुक्त आशुतोष पाण्डेय खेलों में विशेष रूचि रखते हैं तथा खेलों के विकास हेतु जो भी सुझाव उनके समक्ष रखें जाते हैं, उस पर वे पूरी इच्छाशक्ति के साथ कार्य करते हैं। महापौर श्रीमती राजपूत ने कहा कि कोरबा में खेल सुविधाओं की वृद्धि हेतु निगम ने उल्लेखनीय कार्य किये हैं, कोरबा रायफल शूटिंग रेंज के विकास हेतु एवं यहॉ पर बेहतर व अत्याधुनिक सुविधायें मुहैया कराने के लिये जो भी प्रस्ताव सामने लाया जायेगा, उस पर निश्चित रूप से काम होगा। इस अवसर पर सभापति एवं कोरबा रायफल शूटिंग एकेडमी के सचिव नूतन सिंह ठाकुर एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

रायफल्स की पूजा अचर्ना की एवं रायफल से शूटिंग कर शूटिंग रेंज का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने दिये गये अपने उद्बोधन में आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय खेलों के विकास व खेल सुविधायें बढ़ाने के लिये विशेष रूचि ले रहे हैं तथा हमारा देश खेलों के क्षेत्र में नित नई उपलब्धियाँ अर्जित कर रहा है, उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मध्यक्षेत्र विकास प्राधिकरण की बैठक में जनजातीय बालक एवं बालिका क्रीड़ा परिषद के निर्माण हेतु 10-10 करोड़ रूपये की स्वीकृत दी है।

उन्होने आगे कहा कि जहाँ तक नगर निगम कोरबा का प्रश्न है तो निगम ने अपने मूलभूत दायित्वों के सफल निर्वहन एवं निगम क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ कोरबा में खेल सुविधायें बढ़ाने के लिये व्यापक पैमाने पर कार्य किये हैं, जिससे हर कोई परिचित है। उन्होने कहा कि जब मैं महापौर था तो हाकी के जादूगर महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद जी की प्रतिमा स्थापित की गई है तथा उस चौक का नाम मेजर ध्यानचंद चौक किया गया था, स्टेडियम के समीप स्वीमिंग पूल निर्मित हुआ था तथा ओपन थियेटर घंटाघर मैदान को संरक्षित किया गया, जहाँ पर नित नई क्रीडा गतिविधियाँ आज संचालित हो रहा है। उन्होने कहा कि कोरबा रायफल शूटिंग रेंज की स्थापना से रायफल शूटिंग के खिलाड़ियों को

शूटिंग प्रेमियों के लिये बड़ा तोहफा

इस अवसर पर जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नौशाद खान ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोरबा में खेलों के विकास एवं खेल सुविधायें मुहैया कराने में नगर पालिक निगम कोरबा की सदैव महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसी कड़ी में कोरबा रायफल शूटिंग रेंज की यह सौगात भी शहर को मिल चुकी है, जिसके लिये मैं उद्योग मंत्री श्री देवांगन, महापौर श्रीमती राजपूत व आयुक्त श्री पाण्डेय को साधुवाद देता हूँ। उन्होने कहा कि रायफल शूटिंग के खिलाड़ी यहॉं पर प्रेक्टिस करेंगे।

बर्षों से उपेक्षित स्थल सुव्यवस्थित शूटिंग रेंज से हुआ सुसज्जित

टीपी नगर स्थित इंदिरा प्रियदशर्नी इंदिरा स्टेडियम के पीछे जिस स्थल पर शूटिंग रेंज स्थापित किया गया, वह स्थान बर्षो से उपेक्षित पड़ा था, कचरे का ढेर लगा था, वहॉं पर असामाजिक गतिविधियों की संभावना भी रहती थी, वह उपेक्षित पड़ा स्थल निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के प्रयास से आज सुव्यवस्थित रायफल शूटिंग रेंज के रूप में सुसज्जित हो चुका है, स्टेडियम के पीछे कबाड़ से भरा हाल कोरबा रायफल शूटिंग एकेडमी व इंडोर शूटिंग रेंज में तब्दील हो चुका है।

एक बड़ी सुविधा मिल चुकी है, वे यहाँ पर प्रेक्टिस कर सकेंगे तथा नेशनल व इंटरनेशनल प्लेटफार्म पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुये कोरबा जिला व छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेगे। उन्होने कहा कि कोरबा रायफल शूटिंग एकेडमी को शूटिंग रेंज के विकास के लिये, यहाँ पर आधुनिक सुविधाओं की उपलब्धता के लिये, जो भी आवश्यक होगा वह सहयोग निश्चित रूप से दिया जायेगा।

खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

इस मौके पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन, महापौर श्रीमती राजपूत व अन्य अतिथियों ने विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान किया। रायफल शूटिंग में श्रुति यादव, यामिनी बोर्डे, पीयूष सिंह, अजीत आनंद, आकाश सराफ व कोच नीरज निखिल, बास्केट बाल में आयुष्मान तनोजिया, कृष्णा कुशवाहा, फुटबाल में यामिनी प्रजापति, अभिषेक साव, व्हालीबाल में नंदा सिंह, हर्षू श्रीवास्तव, स्वीमिंग में पीयूष चन्द्रा, साराह ग्रेब्रियल, बॉक्सिंग जूनियर में अर्पित दुबे, गुलशन बोरकर, गौरी कर्ष, एच.डी.राय, इश्हाक कुजूर, विभा मिश्रा, बॉक्सिंग सीनियर में राजेश्वरी लहरे, अनय अग्रवाल, पूजा मिश्रा, हर्ष यादव, रोनिश कुजूर आदि खिलाडी सम्मानित हुये।

इस अवसर पर पार्षद नरेन्द्र देवांगन, पार्षद मथुरा बाई चंद्रा, मुकुंद सिंह कंवर, अपर आयुक्त विनय मिश्रा, प्रेस क्लब अध्यक्ष राजेन्द्र जायसवाल, जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नौशाद खान, कोरबा रायफल शूटिंग एकेडमी के अध्यक्ष महेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रंजन प्रसाद, जोन कमिश्नर अखिलेश शुक्ला, नरेन्द्र मेहता, डॉ.विकास चन्द्रा, डॉ.जितेन्द्र कुमार, लक्ष्मी चौहान, उत्तम आदिले, संतोष केंवट, तारकेश्वर मिश्रा, रवि साही, सुरेन्द्र राजवाडे, मंटू सिंह, प्रफुल्ल तिवारी, नरेन्द्र पाटनवार, अधिवक्ता रवि शर्मा, महेश्वर सिंह, सुमित सिंह, आदि के साथ विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी, खिलाड़ीगण व अन्य नागरिकगण उपस्थित थे।

भगवान परशुराम चौक का हुआ स्थापना, किरोड़ीमल नगर में भूमिपूजन

नगर पंचायत व विप्र फाउंडेशन की हुई सहभागिता धूमधाम से मनाया गया भगवान परशुराम जन्मोत्सव

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

नगर पंचायत किरोड़ीमल नगर में भगवान विष्णु के अवतार सप्त चिरंजीवी में से एक भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव का भव्य आयोजन आजाद चौक स्थित सांस्कृतिक भवन में किया गया सर्वप्रथम भगवान परशुराम जी की पूजा अचर्ना कर उनकी आरती की गयी तत्पश्चात समस्त अतिथियों का स्वागत भगवान परशुराम वंशज समिति

के सदस्यों के द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि हरिकिशोर चन्द्रा ने अपने सम्बोधन में भगवान परशुराम को नमन किया एवं अतिशीघ्र भगवान परशुराम चौक स्थापना कार्य को प्रारम्भ करवाने की बात कहते हुए उपस्थित समस्त श्रद्धालुओं को जन्मोत्सव की बधाई दी विशिष्ट अतिथि विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय कायर्कारिणी सदस्य रामचंद्र शर्मा ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में भगवान परशुराम को शास्त्र व शस्त्र का ज्ञाता बताया विशिष्ट अतिथि अमरनाथ सिंह ने इस भव्य आयोजन के लिये आयोजन समिति को बधाई देते हुए भविष्य में भी हरसंभव मदद करने हेतु आश्वास्त किया।

सम्बोधन उपरांत सभी भगवान परशुराम चौक स्थापना स्थल पहुंचकर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सभी जनप्रतिनिधि एव आयोजन समिति के सदस्यों की उपस्थिति में भूमिपूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ कार्यक्रम संयोजक मनीष शर्मा ने बताया कि भगवान परशुराम के चौक का निर्माण आदि कार्य नगर पंचायत किरोड़ीमल नगर के द्वारा तथा मूर्ति स्थापना विप्र फाउंडेशन के द्वारा किया जाएगा। उसके पश्चात आयोजन समिति के द्वारा शरबत वितरण का भी कार्यक्रम किया गया मंच संचालन आयोजन समिति के सदस्य मनीष शर्मा एवं आभार प्रदर्शन राजकिशोर सिंह के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर पंचायत उपाध्यक्ष रुखसाना इकबाल पार्षद गण कमलेश यादव अजय राय सुरेश साहू उमेश चौहान पूर्व पार्षद डोरीलाल चौहान विजय चौहान उमिर्ला साहू विप्र फाउंडेशन जिला अध्यक्ष विजय शर्मा महिला अध्यक्ष बीना शर्मा पुर्व अध्यक्ष ब्राह्मण सेवा समिति विनोद शर्मा,विप्र फाउंडेशन के महामंत्री राजेश शर्मा व सभी महिला एवं पुरूष सदस्य विप्र फाउंडेशन तथा आयोजन समिति के संयोजक बृजकिशोर सिंह ओमप्रकाश मिश्रा अनिल सिंह अरविन्द मिश्रा मनोज पाण्डेय वरुण सिंह मनीष कुमार शर्मा मुकेश महतो महिला सदस्य बेबी ठाकुर बेबी मिश्रा वंदना सिंह रूबी पाण्डेय सहित विप्र फाउंडेशन के समस्त पदाधिकारी आयोजन समिति के समस्त पदाधिकारी एवं सैंकड़ों की संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

विधायक लता उसेण्डी ने 13 करोड़ रूपए की लागत के विकास कार्यों की दी सौगात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य शासन के निर्देशानुसार जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दूरस्थ अंचलों के गांवों तक पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को कोंडागांव जिले के ग्राम माकड़ी में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों को शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी उपस्थित रहीं।

विधायक सुश्री उसेंडी ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विकास कार्यों के साथ-साथ आम नागरिकों को व्यक्तिगत योजनाओं का लाभ भी सुनिश्चित किया जा रहा है। महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रत्येक गांव के सर्वांगीण विकास हेतु योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के माध्यम से क्षेत्र स्वस्थ बस्तर की दिशा में अग्रसर है, जिसके तहत विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच की जा रही है।

उन्होंने सभी ग्रामवासियों से अपील की कि स्वास्थ्य विभाग की टीम जब घर-घर पहुंचे, तो उन्हें सही जानकारी प्रदान करें, ताकि सभी के लिए स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कुपोषण एवं एनीमिया मुक्त समाज के निर्माण के लिए महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हेतु सामूहिक सहभागिता पर जोर दिया। साथ ही युवाओं सहित सभी नागरिकों से अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया, ताकि एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके।

कलेक्टर ने कहा कि माओवादमुक्त होने के पश्चात शासन द्वारा बस्तर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अनेक योजनाएं प्रारंभ की गई हैं। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के माध्यम से सघन स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। आम नागरिकों

की समस्याओं के समाधान हेतु बस्तर मुन्ने अभियान के साथ सुशासन तिहार का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, योजनाओं के शत-प्रतिशत सेचुरेशन सुनिश्चित करने के लिए नियद नेल्लानार 2.0 की भी शुरुआत की जा रही है।

विधायक ने प्री. मेट्रिक आश्रम में क्लास रूम निर्माण कार्य लागत 19 लाख रूपए, कन्या आश्रम में क्लास रूम निर्माण कार्य लागत 19.39 लाख रूपए, प्री. मे. बालक छात्रावास में क्लासरूम निर्माण लागत 19.39 लाख रूपए, लैब निर्माण कार्य लागत 22.89 लाख रूपए, नीति आयोग द्वारा लाइब्रेरी निर्माण कार्य 42 लाख रूपए, हीरावण्डी से बालेंग तक पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य लंबाई 6.50 किलोमीटर लागत 685.29 लाख रूपए और शासकीय महाविद्यालय माकड़ी निर्माण कार्य लागत 465.84 लाख रूपए सहित कुल लागत 13 करोड़ 79 लाख रूपए के 18 विकास कायी का भूमिपूजन किया।

हितग्राहियों को दी आवास की चाबी

शिविर में ग्रामवासियों से विभिन्न मांगों और समस्याओं को लेकर कुल 57 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर स्थल में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 27 हितग्राहियों को आवास निर्माण पूर्ण होने पर प्रतीकात्मक चाबी वितरित, समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को 07 छड़ी और 10 हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृति, शिक्षा विभाग द्वारा 12 जाति प्रमाण पत्र और गणवेश वितरण, श्रम विभाग द्वारा 07 श्रम कार्ड, खाद्य विभाग द्वारा 46 राशन कार्ड, उद्यान विभाग द्वारा वर्मी बेड प्रदान किए गए। राजस्व विभाग द्वारा किसान किताब, कृषि विभाग द्वारा 05 हितग्राहियों को उड़द बीज वितरण, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 04 हितग्राहियों को पोषण किट और 02 गोद भराई कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

इसी प्रकार पशुधन विभाग द्वारा श्रीमती योगश्वरी प्रधान को राज्य पोषित डेयरी उद्यमिता योजना से 70 हजार, उन्नत मादा वत्स पालन योजना अंतर्गत दीपेन्द्र साहू को 14 हजार 625 रूपए और श्रीमती सुपोती मरकाम को 17 हजार 550 रूपए, त्रयी सुकर योजना अंतर्गत मंगलु मरकाम और मुकेश नेताम 09-09 हजार रूपए की अनुदान राशि दी गई। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, सहकारी समिति द्वारा 06 नवीन केसीसी धारक किसानों को ऋण स्वीकृति और राजस्व विभाग द्वारा 09 किसानों को डिजिटल किसान किताब का वितरण किया गया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक सेवकराम नेताम, दीपेश अरोरा, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती जुगबती पोयाम, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रदमा बघेल एवं श्रीमती भगवती नेताम, जनपद उपाध्यक्ष बैसाखु कोर्राम, दीपेश अरोरा, जनपद सदस्य पन्नालाल नेताम, पूजा शर्मा, विरेन्द्र प्रधान, श्रीमती रूखमणी पोयाम, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, जनपद पंचायत सीईओ गजेंद्र धुरडे, सरपंचगण, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आईएनसीए अवॉर्ड्स में चमकीं सरगुन मेहता, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिलने पर जताई खुशी

अभिनेत्री सरगुन मेहता ने पंजाबी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'सरबाला जी' के लिए इंडियन नेशनल सिने अकादमी (आईएनसीए) अवार्ड में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार अपने नाम किया। शुक्रवार को अभिनेत्री ने अवॉर्ड मिलने की खुशी फैंस के साथ शेयर की। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर अवॉर्ड समारोह की साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें अभिनेत्री पति रवि दुबे के साथ नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में सरगुन फिल्म की पूरी टीम के साथ अवॉर्ड थामे मुस्कराते हुए नजर आ रही हैं। सरगुन ने लिखा, 'रज्जो को इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद। पूरी सरबाला जी की टीम का भी दिल से धन्यवाद। पंजाब, आपसे बहुत प्यार है। 'सरगुन की पोस्ट देखने के बाद उनके दोस्त और साथी कलाकारों ने तुरंत कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया दी। पंजाब सिनेमा की अभिनेत्री निमृत पाल कौर और कंटेंट क्रिएटर ने हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। अभिनेता तरसेम सिंह जस्सर ने लिखा, 'बहुत-बहुत बधाई। आपको आगे भी ऐसे ही ढेर सारी सफलताएं मिलती रहें, यही कामना है। ' इंडियन नेशनल सिने एकेडमी अवॉर्ड बॉलीवुड और 11 अन्य क्षेत्रीय फिल्म उद्योगों को एक मंच पर लाकर सहयोग और ज्ञान-साझाकरण को बढ़ावा देती है। इसका लक्ष्य भारतीय सिनेमा को एकीकृत करना और एक पारदर्शी, प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार मंच प्रदान करना है।

मंदीप कुमार द्वारा निर्देशित फिल्म में अभिनेत्री ने रज्जो नाम की लड़की का किरदार अदा किया, जो अपने शालीन अभिनय और हास्य से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करती हैं। फिल्म में सरगुन से अलावा, गिप्पी ग्रेवाल, अम्मी विर्क, निमरत खैरा और गुग्गू गिल जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म ग्रामीण पंजाब की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें गलतफहमी और शादी के मजेदार माहौल की कहानी दिखाई गई है। फिल्म की कहानी 'सुचा' (गिप्पी ग्रेवाल) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने चचेरे भाई 'गज्जन' (एमी विर्क) को शादी में सरबाला (दूल्हे का साथी) बनाता है, जिससे हास्य और भ्रम की स्थितियां पैदा होती हैं। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था।

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की 'फाइटर' का बन रहा है सीक्वल? अब सामने आई बड़ी जानकारी

ऋतिक रोशन की सफल फिल्म 'फाइटर' के सीक्वल को लेकर कई दिनों से खबरें चल रही हैं। अब फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। साल 2024 में आई ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म 'फाइटर' बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की भी मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई थी। अब पिछले कुछ वक्त से 'फाइटर' के सीक्वल को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही हैं। लेकिन अब 'फाइटर' के सीक्वल को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है।

ऐसे शुरू हुई थीं चर्चाएं

हाल ही में इंस्टाग्राम पर वायरल हुई एक पोस्ट के बाद ये अटकलें लगाई जा रही थीं कि 'फाइटर' का सीक्वल बन रहा है। इसी साल 'फाइटर 2' की शूटिंग भी शुरू होने की बात कही जाने लगी थी। फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने पोस्ट पर एक बुरी नजर वाला इमोजी भेजकर इस चर्चा को और हवा दी, जिसे कई लोगों ने एक इनडायरेक्ट कंफर्मेशन माना था। लेकिन अब 'फाइटर' के सीक्वल को लेकर जो नई जानकारी सामने आ रही है, वो फैंस को निराश कर सकती है।

नहीं बन रही 'फाइटर 2'

अब बॉलीवुड हंगामा की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, फाइटर 2 को लेकर चल रही अफवाहों में बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। ऋतिक रोशन के करीबी एक सूत्र ने स्पष्ट किया है कि अभिनेता और सिद्धार्थ आनंद के बीच सीक्वल को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई है। सूत्र ने कथित तौर पर कहा कि ये दावे बेबुनियाद हैं, जिससे पिछले कुछ दिनों से चल रही अटकलों पर विराम लग गया है।

फर्श से अर्श तक अरशद वारसी

आज हैं बॉलीवुड के 'कॉमेडी किंग'

'मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.' का सर्किट का किरदार हो या 'गोलमाल' सीरीज के माधव, कॉमेडी के मामले में अरशद वारसी को टक्कर दे पाना बहुत मुश्किल है। इन दोनों ही किरदारों ने अरशद की जिंदगी बदल दी, लेकिन एक समय ऐसा था, जब अभिनेता ने सब कुछ खो दिया था और उनकी दुनिया पूरी तरीके से बदल गई थी।

अरशद वारसी के लिए हिंदी सिनेमा में पैर जमाना आसान नहीं था, और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे एक्टिंग की दुनिया में कदम रखेंगे, लेकिन कहते हैं कि भाग्य में जहां जाना लिखा होता है, वहां के दरवाजे आपके लिए खुलते ही चले जाते हैं। अभिनेता के साथ भी वैसा ही हुआ। माता-पिता की बीमारी और उनके असमय छोड़कर जाने की वजह से अरशद ने छोटी उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। अरशद ने खुद खुलासा करते हुए बताया था कि उनके पिता एक अच्छे बिजनेसमैन नहीं थे और उन्होंने पूरे परिवार को बर्बाद कर दिया था।

अभिनेता के पिता ने सारा पैसा बिजनेस में डूबा दिया और बोन कैंसर से जूझने लगे, जबकि मां किडनी की बीमारी से ग्रसित थी। हर हफ्ते मां का डायलिसिस होता था और घर में सेविंग के नाम पर कुछ नहीं था। उन्होंने कहा था, 'उस वक्त मैं कोरियोग्राफर था। गाने कोरियोग्राफ और प्ले करता था। मेरी सारी कमाई मां के एक हफ्ते के डायलिसिस पर खर्च हो जाती थी। हर हफ्ते यही प्रक्रिया दोबारा होनी थी। उस वक्त लगा कि क्या जिदंगी है, एक छोटे से घर में जिंदगी बिताना। माता-पिता के निधन ने अभिनेता को तोड़ दिया था, क्योंकि कोई आस-पास नहीं था, जो मदद कर सके। उसी पल ने अरशद वारसी को एक रात में बड़ा कर दिया था। अरशद वारसी ने बचपन में माता-पिता के साथ गहरा लगाव महसूस नहीं किया था क्योंकि वे बोर्डिंग स्कूल में पढ़े थे। अभिनेता इतना अकेला महसूस करते थे, खुद को चिट्ठियां लिखते थे और अपने दोस्तों से डाक के जरिए पोस्ट कराते थे।

एक पुराने इंटरव्यू में अभिनेता ने बताया था कि मुझे वो लोग समझ नहीं आते, जो कहते हैं कि वे अपने माता-पिता के बिना नहीं रह सकते। कभी-कभी उनके माता-पिता उनकी छुट्टियां भूल जाते थे, जिसकी वजह से उन्हें स्कूल में ही छोड़ दिया जाता था जबकि बाकी बच्चे घर चले जाते थे। वे खुद को चिट्ठियां भी लिखते थे। मैं साल में सिर्फ दो बार घर जाता था।

इतना सब झेलने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी और जया बच्चन की वजह से फिल्मों में एंट्री ली। अभिनेता की पहली फिल्म थी तेरे मेरे सपने। यह फिल्म अमिताभ बच्चन की कंपनी एबीसीएल बैनर के तले बनी थी, जिसके बाद अभिनेता 'बेताबी,' 'मेरे दो अनमोल रत्न,' और 'हीरो हिंदुस्तानी' जैसी फिल्मों में दिखे, लेकिन सर्किट के किरदार ने सिनेमा में उन्हें जीवनदान दिया।

'12 घंटे से भी अधिक लंबी होती है शिफ्ट'

अर्चना पूरन सिंह ने बढ़ते काम के घंटों को लेकर जताई चिंता

फिल्म इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर एक बहस जारी है। पिछले साल दीपिका पादुकोण ने आठ घंटे काम की शिफ्ट की मांग की थी। जिसके बाद उन्हें कुछ फिल्मों से भी हाथ धोना पड़ा और इस मांग ने एक बहस को भी जन्म दिया। कई लोगों ने इंडस्ट्री में लंबे काम के घंटों और बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर चिंताएं जाहिर कीं। कई ने कलाकारों और क्रू दोनों के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर किया है। हाल ही में कॉमेडी ड्रामा सीरीज 'टोस्टर' के कलाकारों, राजकुमार राव, सान्या मल्होत्रा, अभिषेक बनर्जी और अर्चना पूरन सिंह ने भी इसी तरह के मुद्दों पर बात की। अब अर्चना पूरन सिंह ने अधिक काम के घंटों को लेकर चिंता जताई है।

क्रू मेंबर्स पर पड़ता है बुरा असर

बातचीत में अर्चना पूरन सिंह ने बढ़ते काम के घंटों के दबाव के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने समझाया कि कैसे शिफ्टें अक्सर निर्धारित समय से आगे बढ़ जाती हैं, कभी-कभी 12 घंटे से भी अधिक लंबी हो जाती हैं। इसका विशेष रूप से उन क्रू मेंबर्स पर बुरा असर पड़ता है, जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में लंबे समय तक शारीरिक रूप से कठिन काम में लगे रहते हैं। इसके बावजूद वे हमसे 13-14 घंटे काम करने और लंच ब्रेक न लेने की उम्मीद करते हैं। यह एक तरह की कंजूसी है। कंजूसी एक मानसिकता है। आप उन लाइटमैन को कैसे खाना नहीं खाने दे सकते जो घंटों धूप में खड़े रहते हैं? उनके पास हमारे जैसे असिस्टेंट नहीं हैं, जो उनके लिए फल लाएं। यह बहुत बुरा है।

खाना न देने के चलते कुछ प्रोडक्शन हाउस बदनाम हैं

एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि कैसे कुछ प्रोडक्शन हाउस खाने के मामले में बेहद सख्त होने के लिए बदनाम हो गए हैं। क्रू मेंबर्स अक्सर अनौपचारिक रूप से उन्हें खाने की सीमित मात्रा के आधार पर ही बुलाते हैं। ऐसी प्रथाएं इंडस्ट्री के भीतर एक गहरी, लंबे समय से चली आ रही समस्या को दिखाती हैं।

'टोस्टर' में निगेटिव किरदार में नजर आई हैं अर्चना पूरन सिंह

वर्कफ्रंट की बात करें अर्चना पूरन सिंह हाल ही में ओटीटी फिल्म 'टोस्टर' में नजर आई हैं। इस फिल्म में अर्चना पूरन सिंह निगेटिव किरदार में नजर आई हैं। फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव, सान्या मल्होत्रा, अभिषेक बनर्जी और फराह खान भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर मौजूद है।

तब्बू ने वर्सोवा में खरीदा ?10 करोड़ का अपार्टमेंट

लियासेस फोरस से मिले पेपर्स के मुताबिक, तबस्सुम फातिमा हाशमी, यानी कि एक्ट्रेस तब्बू ने मुंबई के वर्सोवा में गोदरेज प्रॉपर्टीज से 10 करोड़ रुपये में 2,153 वर्ग फुट का अपार्टमेंट खरीदा है। दस्तावेजों के अनुसार, यह अपार्टमेंट मुंबई के वर्सोवा इलाके में स्थित गोदरेज स्काईशोर बिल्डिंग में खरीदा गया था। बिक्री के मुताबिक, अपार्टमेंट की खरीद 26 मार्च, 2026 को रजिस्टर की गई थी, जिसके लिए ?5.24 लाख का स्टांप शुल्क और ?30,000 का पंजीकरण शुल्क अदा किया गया था। दस्तावेजों से पता चलता है कि तब्बू ने अपार्टमेंट के साथ दो कार

पार्किंग स्लॉट भी खरीदे थे। अपार्टमेंट का क्षेत्रफल लगभग 21,53 वर्ग फुट है और इसमें लगभग 127 वर्ग फुट की बालकनी भी शामिल है। दस्तावेजों के अनुसार, गोदरेज स्काईशोर परियोजना 27,000 वर्ग फुट से अधिक जमीन पर बनाई जा रही है। इस परियोजना में दो टावर होंगे, टावर ए और टावर बी, जिनमें पांच बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और कुल 24 मंजिलें होंगी। परियोजना में 126 आवासीय इकाइयां होंगी। तब्बू ने फिलहाल इस पर कोई बात नहीं की है।

तब्बू बॉलीवुड की एक मशहूर एक्ट्रेस हैं, जो अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने 'मकबूल', 'हैदर' और 'अंधाधुन' जैसी फिल्मों में काम किया है। कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित तब्बू को लीक से हटकर रोल्स चुनने के लिए सम्मानित किया जाता है।

'मैं जल्द ही वापसी करूंगा', वरुण तेज ने साझा की अपनी हेल्थ अपडेट

अभिनेता वरुण तेज को अपनी आगामी फिल्म 'भारी' की तैयारियों में ब्रेक लगाना पड़ा क्योंकि ट्रेनिंग के दौरान उनके घुटने में फ्रैक्चर हो गया था। उनकी एक छोटी सी सर्जरी हुई है। अब वरुण तेज ने अपना हेल्थ अपडेट दिया है और खुद बताया कि कैसी है उनकी तबीयत? कुछ दिन पहले, उनकी बहन निहारिका कोनिडेला ने इंस्टाग्राम पर चोट के बाद उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी साझा की थी।

चिंता करने के लिए धन्यवाद

वरुण तेज ने अब अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा करके अपने स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी है। एक्टर ने अपने फैंस को आश्वस्त किया कि अब वो ठीक हैं और उनकी चिंता के लिए धन्यवाद दिया।

तीन बार मरते-मरते बचे अक्षय

एक्टर ने बताया पत्नी ट्विंकल का होता है क्या रिएक्शन?

अपनी फिल्मों में खुद अपने स्टंट करने के लिए मशहूर अक्षय कुमार ने बताया कि वो कई मौकों पर मरते-मरते बचे थे। जानिए कब और कहां हुए ये हादसे...

अक्षय कुमार इन दिनों हालिया रिलीज 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस हॉरर-कॉमेडी को लेकर लोगों में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। हालांकि, शुरुआती दिनों में अक्षय कुमार की इमेज एक एक्शन हीरो के तौर पर थी। अक्षय अपनी फिल्मों में खुद ही अपने स्टंट करने के लिए जाने जाते थे। अब अक्षय ने स्टंट करते समय अपने साथ हुए उन घटनाक्रमों का जिक्र किया, जब वो मरते-मरते बच गए थे।

तीन फिल्मों के दौरान हुए हादसे

शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में बात करते हुए अक्षय कुमार ने बताया कि करियर में तीन बार वो स्टंट करते समय मरते-मरते बचे थे। दरअसल, अक्षय कुमार से पूछा गया कि आप इतने खतरनाक-खतरनाक स्टंट करते थे। क्या कभी ऐसा हुआ कि जान पर ही बन आई हो और मरते-मरते बचे हों? इस पर खिलाड़ी कुमार ने कहा कि तीन बार ऐसा हुआ है। एक बार 'सैनिक' की शूटिंग के दौरान हुआ था। जहां एक बिल्डिंग से दूसरी बिल्डिंग में जाते वक्त अक्षय का हाथ थक गया था और बड़ी दुर्घटना होते-होते रह गई। दूसरी बार इंटरनेशनल खिलाड़ी के दौरान हुआ था, जहां मेरा शरीर बीच से आधा-आधा कट जाता। एक सीन के दौरान एक केटामरीन सामने से आ रही थी और मेरी बोट को उसके सामने से नीचे से निकलना था। उस दौरान ऐसा हो गया था कि अगर चूकता तो मैं पूरा बीच से ही कट जाता। लेकिन कैसे भी करके मैंने खुद को बचा लिया। जबकि तीसरा हादसा 'खिलाड़ी 786' के दौरान हुआ था। जहां मैंने डाइव मारा था और हॉट एयर बलून पर गिरा था। लेकिन तब भी मैं बच गया।

देबिना के जन्मदिन पर गुरमीत ने लिखा खास नोट

जिंदगी ने तुम्हें सिर्फ मेरे लिए ही चुना है

साउथ सिनेमा से लेकर हिंदी टेलीविजन धारावाहिकों में अपनी अलग पहचान बनाने वाली मशहूर अभिनेत्री देबिना बनर्जी शनिवार को अपना जन्मदिन मनाया हैं। इस अवसर पर उनके पति और अभिनेता गुरमीत चौधरी ने उन्हें जन्मदिन की बधाई खास अंदाज में दी। गुरमीत ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो पोस्ट किया। इसमें देबिना अपने परिवार के साथ जन्मदिन मना रही हैं। क्लिप में देबिना, गुरमीत और उनकी दोनों बेटियां लियाना और दिविशा साथ में नजर आ रहे हैं। पूरा परिवार मिलकर जन्मदिन का केक काटता हुआ दिख रहा है। वीडियो में खुशी और प्यार का माहौल साफ नजर आ रहा है। वीडियो के साथ गुरमीत ने देबिना बनर्जी के लिए एक खास नोट लिखा। अभिनेता ने लिखा, 'जन्मदिन की बधाई दो देबिना।

मैं अक्सर नहीं कहता, लेकिन मुझे सच में नहीं पता कि तुम कैसे सब कुछ इतनी खूबसूरती से संभाल लेती हो। मुझे हर दिन यह एहसास होता है कि जिंदगी ने तुम्हें मेरे लिए ही चुना है। सिर्फ मेरी पत्नी के रूप में नहीं, बल्कि मेरी सबसे अच्छी दोस्त और मेरी सबसे बड़ी ताकत के रूप

में भी। मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूं। अभिनेता की पोस्ट उनके फैंस को काफी पसंद आ रहे हैं और कई यूजर्स तो कमेंट सेक्शन में जन्मदिन बधाई देने के साथ प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।

देबिना टेलीविजन इंडस्ट्री की जानी मानी अभिनेत्री हैं, लेकिन उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साउथ इंडस्ट्री से की थी। उन्होंने तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में अभिनय कर साउथ के दर्शकों में खास जगह बनाई थी। इसके बाद हिंदी टेलीविजन धारावाहिकों की तरफ रुख किया और अपनी मजबूत जगह बनाई। अभिनेत्री ने मुख्य रूप से रामायण धारावाहिक में 'सीता' की भूमिका से हिंदी दर्शकों में पहचान बनाई थी और उन्हें बड़ी सफलता भी मिली थी। इसके अलावा, अभिनेत्री ने 'चिड़ियाघर' में मयूरी, 'संतोषी मां' और 'अलादीन - नाम तो सुना होगा' जैसे लोकप्रिय टीवी शो में काम किया। उन्होंने पति और अभिनेता गुरमीत चौधरी के साथ 'नच बलिए सीजन 6' (2013) में भाग लिया था। इसमें वे प्रथम रनर अप रही थीं।

कलेक्टर ने जनगणना फील्ड प्रशिक्षण का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं व प्रशिक्षण की गुणवत्ता का लिया जायजा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

आगामी 1 मई से प्रारंभ होने वाली जनगणना 2027 के प्रथम चरण के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला प्रशासन राजनांदगांव द्वारा प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज सागरपारा राजनांदगांव क्षेत्र में फील्ड प्रशिक्षण का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने प्रशिक्षण की प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जनगणना कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसके लिए प्रगणकों को घर-घर जाकर सही जानकारी संकलित करने का अभ्यास कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लोग जागरूक हैं और सहयोग कर रहे हैं, जिससे कार्य को सुचारू रूप से संपादित करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि 1 मई से मुख्य जनगणना कार्य प्रारंभ होगा, इसलिए यह आवश्यक है कि सभी प्रगणक पूर्ण दक्षता के साथ कार्य करें, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे।

सागरपारा राजनांदगांव में आयोजित फिल्ड प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना से संबंधित तकनीकी एवं व्यवहारिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स द्वारा बताया गया कि इस बार जनगणना कार्य पूर्णतः डिजिटल माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए प्रगणकों को मोबाइल ऐप के उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में परिवार की जानकारी, आवास की स्थिति, संचार सुविधाएं तथा घर में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं जैसे शौचालय आदि से संबंधित जानकारी को ऐप में दर्ज करने की प्रक्रिया समझाई गई। साथ ही डेटा प्रविष्टि के दौरान आवश्यक सावधानियों के संबंध में जानकारी दी गई।

जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि जनगणना देश के विकास की योजनाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आगामी 15 दिनों के भीतर नागरिक स्व-गणना की प्रक्रिया का भी उपयोग कर सकते हैं तथा प्रगणकों को सही एवं पूर्ण जानकारी देकर सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी प्यारेलाल नाग, नायब तहसीलदार राकेश नागवंशी सहित जिला प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

खास खबर

कानूनी जागरूकता : लोक अदालत के प्रति ग्रामीणों को किया गया प्रेरित

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के आदेशानुसार एवं सरोज नंद दास, प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के मार्गदर्शन एवं स्वर्णलता ओम यादव, सचिव/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के निर्देशन में आगामी नेशनल लोक अदालत 09 मई 2026 को आयोजित होने वाला है, के संबंध में ग्राम नवागाँव एवं बावामोहतरा में विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें अधिकार मित्र के द्वारा ग्रामीणों को नेशनल लोक अदालत के महत्व, उसके माध्यम से सुलभ, त्वरित न्याय प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा प्रीलिटिगेशन प्रकरणों एवं लंबित प्रकरणों के निराकरण के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

उपस्थित जनसमूह को बताया गया कि लोक अदालत के माध्यम से आपसी सहमति से विवादों का निवारण कर समय एवं धन की बचत की जा सकती है। साथ ही राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (SALSA) की नवीन योजनाओं का भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। ग्रामीणों को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने, महिला एवं बाल संरक्षण, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार तथा अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के संबंध में लोगो को जागरूक किया गया। इसके साथ ही शिविर में उपस्थित ग्रामीणों ने शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी समस्याओं के समाधान हेतु आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होने की बात कही। जिला विधिक सेवा प्राधिकरपा, बेमेतरा के अधिकार मित्र द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे आगामी नेशनल लोक अदालत में अपने प्रकरणों का शीघ्र एवं सौहादर्पूर्ण निराकरण कराएं। उक्त जागरुकता शिविर में अधिकार मित्र तरुण आनंद, स्वाती कुंजाम व ग्राम रोजगार सचिव सहित ग्रामिणों की उपस्थित रही।

'नवा तरिया आय के जरिया' अभियान को बनाएं जन आंदोलन : सीईओ अग्रवाल

मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य विभागीय कार्यों की हुई समीक्षा

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

जल संरक्षण एवं आजीविका को बढ़ावा देने के लिए राज्य शासन के महत्वाकांक्षी नवा तरिया आय के जरिया अभियान को सभी मिलकर जन आंदोलन का रूप दें। ग्रामीणों को इस अभियान से जोड़कर उन्हें इसके फायदे बताएं और आजीविका संवर्धन की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सतत प्रयास करें। उक्त निर्देश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम अभिषेक अग्रवाल द्वारा विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान दिये गए।

सीईओ ने बैठक में मैदानी कमर्चारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में ग्रामीणों की मांग एवं आवश्यकता अनुसार ही निर्माण कार्यों का चयन करें, कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित हो और सभी कार्य समय-सीमा में पूरा करे। कार्यों में अनियमितता एवं गुणवत्ता खराब होने की शिकायत पर कड़ी कार्यवाही करने की चेतावनी सभी को दी गई। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं प्रधानमंत्री जनमन आवास के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करें। अप्रारंभ कार्यों को आगामी एक सप्ताह में प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। ग्राम पंचायत वॉर आवास निर्माण की समीक्षा कर निर्देशित किया गया की हितग्राहियों को प्रधानमंत्री सूर्य घर बिजली योजना के लाभ पर उनका ज्ञानवर्धन करे। योजना से विद्युत पर होने वाले खची की बचत की जानकारी दी जाए। लंबे समय से प्रथम किस्त की राशि प्राप्त होने के बाद भी जो हितग्राही आवास का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं कर रहे हैं उनसे संपर्क कर कार्य शुरू कराये।

सीईओ अग्रवाल द्वारा स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत निर्मित सामुदायिक शौचालय की समीक्षा करते हुए सभी जनपद पंचायत सीईओ को निर्देशित किया गया कि शौचालय आम जनता के लिए उपलब्ध हो, पंचायत स्तर पर साफ-सफाई की व्यवस्था की जाए तथा शौचालय के समीप स्वच्छता एवं पानी की व्यवस्था करने निर्देशित किया। फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लान, व्यक्तिगत शौचालय, सेग्रीगेशन शेड जैसे अन्य विषयों की जानकारी मैदानी कर्मचारियों से ली गई। महिला समूह द्वारा किए जा रहे कचरा कलेक्शन कार्य को और आगे बढ़ाते हुए इसे आजीविका से जोड़ने के निर्देश दिए गए जिससे कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित हो। मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना सहित अन्य विभागीय कायी समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक के दौरान सीईओ अभिषेक अग्रवाल ने सभी अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा एवं सब इंजीनियर को निर्देशित करते हुए कहा कि भवन निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। लेन्टर ढलाई के दौरान स्वयं उपस्थित रहे एवं अपने निर्माण क्षेत्र का सतत निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान सभी सीईओ जनपद पंचायत, अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, सभी सब इंजीनियर, सभी तकनीकी सहायक सहित जिला पंचायत के शाखा प्रभारी अधिकारी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

क्या है नवा तारिया आय के जरिया अभियान

ग्रामीण क्षेत्रों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के द्वारा ग्रामीणों को रोजगार का अवसर उपलब्ध कराते हुए आजीविका और जल संरक्षण का उद्देश्य इस अभियान से एक साथ पूरा होगा। जल संरक्षण के लिए नए तालाबों का निर्माण कर मछली पालन और सिंचाई के लिए इसका उपयोग होगा।जिले में अभी तक नवा तरिया आय के जरिया हेतु कुल 31 कार्य लागत राशि 5 करोड़ 8 लाख रुपए प्रस्तावित किया गया है। इन कार्यों से अनुमानित 1 लाख 60 हजार मानव दिवस का रोजगार ग्रामीणों को मिलना अपेक्षित है। अभियान अंतर्गत जिले के अन्य ग्राम पंचायतो में भी कार्यों का विस्तार होगा। लोगों को रोजगार और आजीविका के नए साधन इस अभियान से प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री ने सड़क निर्माण कार्यो का शिलान्यास व अटल डिजिटल सुविधा केन्द्रों का किया लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (फेज-04) अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं अटल डिजिटल सुविधा केन्द्रों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राजनांदगांव जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जनपद पंचायत छुरिया क्षेत्र में 3 करोड़ 87 लाख 3 हजार रूपए की लागत से करमरी से ग्वालिनडीह तक 1 किलोमीटर तथा नवागांव से मासूलजोब तक 2.9 किलोमीटर, कुल 3.9 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इसके साथ ही जिले में 5 लाख रूपए प्रति भवन की दर से कुल 75 लाख रूपए की लागत से निर्मित 15 अटल डिजिटल सुविधा केन्द्रों का भी शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर जनपद पंचायत छुरिया के सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष संजय सिन्हा ने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुदृढ़ होगा और विकास को गति मिलेगी। वहीं अटल डिजिटल सुविधा केन्द्रों के माध्यम से ग्रामीणों को आधुनिक डिजिटल सेवाओं से जोड ? की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है, जहां उन्हें एक ही स्थान पर विभिन्न आवश्यक सेवाएं उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य गोपाल सिंह भूआर्य, अनिता मण्डावी, बिरम बाई मण्डावी, जनपद पंचायत सदस्य रेखा बाई गंधर्व, उभेराम मण्डावी, ओम प्रकाश चन्द्रवंशी, चंद्रिका प्रसाद डड़सेना, रविन्द्र वैष्णव, खिलेश्वर साहू, दिनदयाल साहू, मुख्य कायर्पालन अधिकारी जनपद पंचायत छुरिया होरीलाल साहू, कायर्पालन अभियंता प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पीएस मिश्रा, प्राधिकृत अधिकारी, सेवा सहकारी समिति छुरिया राजेश्वर धुर्वे तथा संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, अटल डिजीटल सुविधा केन्द्र (सीएससी भवन) से जुड़े बिहान समूह केडर एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ बड़ी पहल : दो दिनों में 379 बालिकाओं का किया गया नि :शुल्क टीकाकरण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत कलेक्टर जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में जिले में सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) से बचाव हेतु व्यापक स्तर पर टीकाकरण किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत दो दिनों में 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी एवं 15 वर्ष 90 दिन से कम आयु वर्ग की 379 किशोरियों का निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पताल तथा मेडिकल कॉलेज में एचपीवी टीका निःशुल्क उपलब्ध है। यह टीका पूरी तरह सुरक्षित है और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रमाणित है। यह सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को 85 से 99 प्रतिशत तक कम करने में प्रभावी है। टीकाकरण के लिए यू-विन पोर्टल पर पंजीयन किया जा सकता है। साथ ही इच्छुक हितग्राही सीधे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर पंजीयन कराकर टीकाकरण के उपरांत प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं। यह टीकाकरण पूरी तरह स्वैच्छिक है और इसके लिए अभिभावकों की सहमति आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि आगामी समय में टीकाकरण सत्रों के सुचारू संचालन हेतु 32 कोल्ड चेन पॉइंट्स एवं विशेष टीकाकरण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। सीएमएचओ डॉ. नेतराम नवरतन ने जिले के सभी अभिभावकों से अपनी बेटियों के सुरक्षित भविष्य के लिए इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। एचपीवी टीकाकरण संबंधी अधिक जानकारी के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र, स्वास्थ्य कार्यकर्ता या मितानिन से संपर्क किया जा सकता है।

भालुचुआ में जसविंदर बग्गा 48 पैक्स का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 515 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) का वर्चुअल शुभारंभ किया। जिसके अंतर्गत कवर्धा जिले की 48 समितियों का भी शुभारंभ हुआ। उन्होंने इसे प्रदेश के किसानों के लिए बड़ी सौगात बताते हुए कहा कि सहकार से समृद्धि के संकल्प को साकार करने की दिशा में यह कदम ऐतिहासिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नई समितियों के शुरू होने से अब पूरे प्रदेश में सहकारी समितियों की संख्या बढ़कर 2 हजार 573 हो गई है। उन्होंने प्रदेश के अन्नदाता किसानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार खेती-किसानी में आधुनिक तकनीक और सहकारिता के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा दे रही है, ताकि गांव और किसान समृद्ध बन सकें।

शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता जसविंदर बग्गा ने बताया कि अब पैक्स समितियां बहुउद्देशीय सोसायटी के रूप में कार्य करेंगी, जिससे किसानों को खाद, बीज और अल्पकालीन ऋण जैसी सुविधाएं उनके गांव में ही उपलब्ध होंगी। साथ ही धान बेचने की प्रक्रिया भी आसान होगी और किसान अपनी नजदीकी समिति में ही धान बेच सकेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहले से कार्यरत 2058 समितियों को बेहतर सेवाएं देने के लिए कंप्यूटरीकृत किया गया है और इनमें माइक्रो एटीएम भी लगाए गए है, जिनसे किसान 20 हजार रुपए तक की राशि निकाल सकते हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अब ग्राम भालूचुआ, तिलाई भाट और चंदनपुर के सैकड़ों किसानों को धान बेचने के लिए हरिनछपरा जाने की दिक्कत समाप्त होगी।

बग्गा ने इस समिति के निर्माण एवं शभारंभ के लिए क्षेत्र के समस्त किसानों के साथ मुख्यमंत्री साय का आभार माना। इस अवसर पर हरिनछपरा सोसाइटी के श्याम कोसले, सरपंच चंद्र दिवाकर, वरिष्ठ काम दत्त गेंड्रे, दुलाखन गेंड्रे, बूथ अध्यक्ष आशाराम लहरे, हीरो सतनामी सहित ग्रामवासीउपस्थित थे।

देवरबीजा सेवा सहकारी समिति का निरीक्षण : प्रभारी सचिव शहला निगार ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा, बेहतर सेवाएं उपल्ब्ध कराने पर दिया जोर

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले की प्रभारी सचिव शहला निगार आज देवरबीजा सेवा सहकारी समिति के निरीक्षण हेतु पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने समिति में संचालित विभिन्न व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान समिति में संचालित कार्यों, रिकॉर्ड संधारण, खाद्यान्न वितरण व्यवस्था तथा हितग्राहियों को मिलने वाली सेवाओं की स्थिति का अवलोकन किया गया।

प्रभारी सचिव ने पारदर्शिता, समयबद्धता एवं हितग्राहियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे। साथ ही रिकॉर्ड संधारण एवं वितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने समिति स्तर पर स्वच्छता, निगरानी एवं व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर भी बल दिया, ताकि ग्रामीणों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निरीक्षण के दौरान बेमेतरा कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, एसडीएम दीप्ति वर्मा, तहसीलदार मानकर, देवरबीजा के नायब तहसीलदार राजा राम तथा समिति अध्यक्ष संजीव तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने प्रभारी सचिव को समिति की कार्यप्रणाली एवं वितरण प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव द्वारा उर्वरक वितरण एवं भंडारण व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देशित किया कि पीएम-आशा योजना अंतर्गत खरीफ फसलों के लिए आवश्यक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा किसानों को समय पर वितरण किया जाए। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि उर्वरकों के भंडारण एवं स्टॉक की स्थिति को व्यवस्थित बनाए रखने तथा आवश्यकतानुसार पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता बनाए रखना जरूरी है।

प्रभारी सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि डीएपी, एसएसपी एवं एनपीके जैसे उर्वरकों का संतुलित वितरण किया जाए और किसी एक उर्वरक पर अनावश्यक दबाव न बनाया जाए। साथ ही उर्वरक वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पीओएस मशीन एवं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को उर्वरकों के सही उपयोग एवं संतुलित मात्रा के संबंध में जागरूक किया जाए, जिससे उत्पादन में वृद्धि हो सके और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो। निरीक्षण के अंत में अधिकारियों को सभी व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने तथा शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सोशल मीडिया के सदुपयोग पर आधारित नुक्कड़ नाटक 'एक सोच' का किया मंचन

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

गुरुकुल पब्लिक स्कूल, कवर्धा ने अभ्युदय स्कूल द्वारा आयोजित अंतर्विद्यालयीन नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में भाग लिया। इसमें विद्यार्थियों द्वारा सोशल मीडिया के सदुपयोग पर आधारित नुक्कड़ नाटक 'एक सोच' का हनुमान वाटिका, कवर्धा के सुरम्य वातावरण में मंचन किया गया।

स्कूल के मीडिया प्रभारी ने बताया कि इस अंतर्विद्यालयीन नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में गुरुकुल के अलावा नगर के अभ्युदय स्कूल, होली किंगडम स्कूल तथा अशोका पब्लिक स्कूल ने भाग लिया। डॉ विजय कुमार शाही, अतुल वर्मा के सशक्त मार्गदर्शन , नेहा वर्मा ,भारती राव ,राधारानी तथा केजेलाल साहू के सहयोग तथा विद्यार्थियों के भावप्रवण अभिनय से मंचित इस नाटक ने उपस्थित दशर्कों को भावविभोर कर उनकी वाह-वाही लूटी।

कक्षा पाँचवीं के छात्र द्वय कुनाल तथा गिरीश मदारी और जम्बूरे के रुप में दशर्कों के आकर्षण के केंद्र रहे।विद्याथियों ने अपने नाटक के माध्यम से जनमानस को समझाया कि सोशल मीडिया दुधारी तलवार के समान है अगर इसका उपयोग सोच समझकर नहीं किया गया तो यह व्यक्ति को अपूणर्नीय क्षति भी पहुंचा सकता है। ऑनलाइन गेमिंग तथा रील के प्रति उन्माद ने सभी को अवसाद में डूबा रखा है, जहाँ से निकलना जरूरी है। अभ्युदय स्कूल द्वितीय तथा होली किंगडम स्कूल तृतीय स्थान पर रहे।प्रबंधन समिति के अध्यक्ष , अन्य पदाधिकारीगण तथा प्राचार्य ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की मंगलकामना की और आशा व्यक्त किया कि विद्यार्थी गण अवश्य ही सोशल मीडिया का बेहतरीन ढंग से अपनी प्रतिभा के विकास में सदुपयोग करेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल की पत्रकार वार्ता : मोदी सरकार अपनी विफलता से ध्यान हटाने महिला आरक्षण का मुद्दा उठाया

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महिला आरक्षण बिल तो 2023 में पास हो चुका है

पूर्व मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि जनहित के मुद्दों तथा सरकार की विफलता से ध्यान हटाने भाजपा ने महिला आरक्षण के नाम पर राजनीति कर रही है। सिलेंडर की कमी, पेट्रोल, डीजल, खाद-बीज की कमी, खाद्य पदार्थों के दाम, बढ़ती महंगाई, एपस्टीन फाईल जैसे मुद्दों के कारण मोदी सरकार की साख गिर चुकी है। इसीलिए ये जनता का मूल समस्याओं से ध्यान हटाना चाह रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने कहा कि महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023) 128 वां संविधान संशोधन सितंबर 2023 में संसद के दोनों सदनों में पारित हो चुका है तथा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस पर हस्ताक्षर कर चुकी है तथा यह कानून भी बन चुकी है। भाजपा 2023 के आरक्षण बिल को क्यों लागू नहीं कर रही है? इस बिल के आधार पर तुरंत आरक्षण प्रभावी हो सकता है। भाजपा ने 16 अप्रैल 2026 को जो विधेयक संसद में प्रस्तुत किया 131 वां संविधान संशोधन अधिनियम इसमें महिला आरक्षण के संदर्भ में नहीं भाजपा महिला आरक्षण को मुखौटा बनाकर परिसीमन संशोधन बिल तथा केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन बिल को पास करवाना चाहती थी।

पूर्व मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने कहा कि महिला आरक्षण बिल को यदि तुरंत लागू करना है तो परिसीमन का इंतजार किए बिना वर्तमान सदस्य संख्या में ही 33 प्रतिशत का आरक्षण क्यों नहीं देना चाहती सरकार? कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल इसके लिए तैयार है। पूर्व मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा जो परिसीमन चाहती है उसमें छत्तीसगढ़ सहित छोटे राज्य जिनकी वर्तमान सदस्य संख्या कम है उनको नुकसान उठाना पड़ेगा। भाजपा अपनी राजनीतिक फायदे के हिसाब से परिसीमन चाह रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने कहा कि सरकार 2023 के महिला आरक्षण बिल नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन कर महिला आरक्षण को तुरंत लागू कर सकती थी उसने ऐसा क्यों नहीं किया? जबकि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 जो कानून बन चुका है 2034 से मूर्त रूप लेगा संशोधन से तुरंत लागू हो जाता। भाजपा की मंशा महिला आरक्षण की नहीं अपने मनमुताबिक सीटों के परिसीमन की थी जो विपक्षी दलों की एकजुटता से पूरा नहीं हो चुका।

पूर्व मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने कहा कि पंचायतों एवं स्थानीय निकायों में महिलाओं को आरक्षण मिल रहा तो यह भी कांग्रेस की नीतियों से संभव हो पाया। सबसे पहले राजीव गांधी ने 1989 के मई महीने में पंचायतों और नगरपालिकाओं में महिलाओं के एक तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश किया। वह विधेयक लोकसभा में पारित हो गया था लेकिन सितंबर 1989 में राज्यसभा में पास नहीं हो सका। अप्रैल 1993 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने पंचायतों और नगरपालिकाओं में महिलाओं के एक तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक को फिर से पेश किया। दोनों विधेयक पारित हुए और कानून बन गए। महिलाओं के लिए संसद और राज्यों की विधानसभाओं में एक तिहाई आरक्षण के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह संविधान संशोधन विधेयक लाए। विधेयक 9 मार्च 2010 को राज्यसभा में पारित हुआ। कांग्रेस की सरकारों के प्रयास से ही आज देशभर में पंचायतों और नगरपालिकाओं में 15 लाख से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं। सीटों के परिसीमन का भाजपा का षड़यंत्र विफल हो गया है, अतः वह महिला आरक्षण के नाम पर पूरे देश में भ्रम फैला रही है।

घरेलू विवाद में पति की हत्या : महिला को गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक रिमांड पर

भिलाई। छावनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत दुर्गा पारा कैम्प-02 में घरेलू विवाद के चलते एक महिला द्वारा अपने पति की हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 19 अप्रैल 2026 की रात पुलिस को सूचना मिली कि एक महिला ने अपने पति की हत्या कर दी है। सूचना मिलते ही छावनी थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच में पता चला कि मृतक डोमन लाल साहू और उसकी पत्नी हीरामणि साहू के बीच लंबे समय से घरेलू विवाद चल रहा था। घटना के दिन भी दोनों के बीच कहासुनी हुई, इसी दौरान आवेश में आकर हीरामणि साहू ने सिलबट्टे से अपने पति पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 248/2026 के तहत धारा 103 बीएनएस के अंतर्गत अपराध दर्ज कर आरोपी महिला को विधिवत गिरफ्तार कर लिया। घटना में प्रयुक्त सिलबट्टा भी जब्त कर लिया गया है।

छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना ने मृतक परिवार को दिलवाया न्याय और मुआवजा राशि

नई दृष्टिबिंदु / तिलदा-नेवरा

उद्योगों में लगातार हो रही दुर्घटनाओं के चलते मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण श्रमिकों की जान जोखिम में पड़ रही है, जिसका ताजा मामला बजरंग पावर एवं स्पात कंपनी, टड़वा (तिल्दा) से सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भूरसूदा, तिल्दा-नेवरा निवासी सुनील नायक, जो पिछले 3 वर्षों से उक्त कंपनी में कार्यरत था, 14 अप्रैल 2026 की सुबह लगभग 8 बजे अपने घर से रोज की तरह काम के लिए निकला था। इसी दौरान कंपनी परिसर में अचानक हुए हादसे में उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद मजदूर को एंबुलेंस के माध्यम से एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कंपनी प्रबंधन द्वारा परिजनों को सूचना देकर अस्पताल बुलाया गया। आरोप है कि कंपनी द्वारा हादसे की वास्तविक स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट नहीं किया गया और प्रारंभिक तौर पर जो मुआवजा प्रस्तावित किया गया, वह बेहद कम था। परिजनों ने इस स्थिति में छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के पदाधिकारियों से संपर्क किया। इसके बाद तहसीलदार, थाना प्रभारी, कंपनी प्रबंधन, परिजन एवं संगठन के प्रतिनिधियों के बीच विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक के दौरान मृतक के परिवार के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिसमें 28 लाख रुपये की सहायता राशि, मृतक की पत्नी को मजदूरी का 70% पेंशन के रूप में प्रदान करने तथा परिवार के एक सदस्य को कंपनी में नौकरी देने पर लिखित सहमति बनी। मृतक के परिजनों ने इस सहयोग के लिए छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में छत्तीसगढ़ के हित में कार्य करने का संकल्प लिया।

अपराध का गढ़ बना छत्तीसगढ़ - कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश अपराध का गढ़ बन चुकी है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि लूट, चाकूबाजी, हत्या, चोरी, बलत्कार की घटनाये प्रतिदिन बढ़ते जा रही है। राह चलते लोगों को चाकू मारा जा रहे, मासूम बच्चियों से दुराचार हो रहा, महिलाएं सुरक्षित नहीं है, हर आदमी खौफ में जी रहा है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि पिछले दो वर्षो में छत्तीसगढ़ अपराध का गढ़ बन गया है। लूट, हत्या, बलात्कार, चाकूबाजी की घटनाओं के कारण पूरे प्रदेश में दहशत का माहौल है। छत्तीसगढ़ देश का ऐसा अकेला राज्य है, जहां पर कलेक्टर, एसपी कार्यालय जला दिया गया, अपराधी को गांव वालो ने उसके घर में जिंदा जला दिया, एसडीएम को जनता मारने दौड़ा दिया उसे जान बचाकर भगाना पड़ा। राज्य की राजधानी में ढाई साल में गोलीबारी की घटना हो गयी, राज्य में मासूम बच्चियां महिलाएं सुरक्षित नहीं है। हर दिन 8 बलात्कार और हर दूसरे दिन 3 सामूहिक दुराचार की घटनाएं हो रही है। राजधानी चाकूपुर बन गया है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि कमिश्नरेट लागू कर दिया लेकिन कोई भी प्रभाव अपराधियो पर पड़ते हुये नहीं दिख रहा है। कमिश्नरी प्रणाली लागू कर के शहर में एक आईजी, एक डीआईजी, एक एसपी, तीन एडिशनल एसपी की तैनाती कर दी गयी है। लेकिन थानो में मैदानी अमले की कमी आज भी है। जिसके कारण पुलिस अपराध को नियंत्रित नहीं कर पा रही है।

स्वदेशी जागरण के लिए छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स का बस्तर दौरा हुआ सफल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्वदेशी के प्रचार-प्रसार एवं स्थानीय व्यापार को सशक्त बनाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स के महामंत्री अजय भसीन अपने प्रतिनिधि मंडल के साथ बस्तर संभाग के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने कांकेर, कोंडागांव, जगदलपुर एवं दंतेवाड़ा में व्यापारियों एवं आमजनों के बीच पहुंचकर स्वदेशी अपनाने का संदेश दिया।

इस दौरे में अजय भसीन के साथ सुधीर दाते (क्षेत्रीय समन्यवक व क्षेत्रीय संयोजक ,स्वदेशी जागरण मंच), डॉ. सुमित दास (संभागीय प्रमुख स्वालम्बन केंद्र),शंकर सचदेव (मीडिया प्रभारी स्वदेशी जागरण मंच), चिन्ना राव (स्वालम्बन केंद्र भिलाई) उपस्थित रहे। दौरे के दौरान आयोजित बैठकों एवं संवाद कार्यक्रमों में अजय भसीन ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग न केवल स्थानीय उद्योगों को मजबूती देता है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ बनाता है। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें और ग्राहकों को भी इसके प्रति जागरूक करें।

विभिन्न व्यापारिक संगठनों से भेंट कर सुधीर दाते ने स्वदेशी उत्पादों के प्रचार, स्थानीय बाजारों को बढ़ावा देने तथा युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने पर विशेष चर्चा की। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में व्यापारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने स्वदेशी के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।

चेम्बर द्वारा इस तरह के जागरूकता अभियान आगे भी प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जारी रखने की बात कही गई, ताकि हर घर स्वदेशी, हर युवा उद्यमी का संकल्प साकार हो सके। इस दौरे में कांकेर ,कोंडागांव, जगदलपुर व दंतेवाड़ा में उपस्थित व्यापारियों व उपस्थित जनमानस में उत्साह व उमंग देखी गई। यह दौरा एक मील का पत्थर साबित होगा। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से शंकर सचदेव ने दी।

बिजली के खतरों के प्रति उपभोक्ता रहें सतर्क, सुरक्षा नियमों का करें पालन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक संजय खंडेलवाल ने क्षेत्र में बढ़ती विद्युत दुर्घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उपभोक्ताओं से विशेष सतकर्ता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में उद्योग, खेती और घरेलू कार्यों में बिजली का उपयोग बढ़ने के साथ-साथ वितरण प्रणाली का भी विस्तार हुआ है। ऐसे में विद्युत उपकरणों और लाइनों के उपयोग में बरती गई जरा सी भी लापरवाही या अज्ञानता जानलेवा साबित हो सकती है।

कार्यपालक निदेशक ने हाल ही में हुई कई दुखद घटनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि नेवारीखुर्द, गुण्डरदेही, चरोदा, खुर्सीपार और साजा क्षेत्रों में हुई मौतों का मुख्य कारण सुरक्षा नियमों का उल्लंघन और लापरवाही रहा है। जांच में पाया गया कि घरों के पास से गुजरती 11 केवी लाइनों के संपर्क में आने, लोहे की सीढ़ी या एंगल के टकराने और दीवारों पर पानी की तराई करते समय या राजमिस्त्रियों द्वारा निर्माण कार्य करते समय, बिजली लाइनों के करीब जाने से, खेतों में अवैध तरीके से बिजली प्रवाहित करने और ढीले व कटे-फटे तारों के उपयोग और जीआई तारों में कपड़े सुखाने के कारण ये हादसे हुए।

सोलर पैनल लगवाते समय लोहे की सीढ़ी या एंगल का विद्युत लाइनों के करीब आना एक बड़ा खतरा बनकर उभरा है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि उपभोक्ता यथासंभव 33 केवी, 11 केवी की हाई-वोल्टेज या निम्नदाब लाइनों के नीचे किसी भी तरह का निर्माण कार्य न करें। यदि निर्माण कार्य अत्यंत आवश्यक हो, तो विभाग में विधिवत आवेदन देकर लाइन शिफ्ट करा लें या फिर लाइनों से उचित सुरक्षित दूरी बनाकर ही कार्य करें, क्योंकि आपके जीवन से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है। बिजली के उपयोग में थोड़ी सी भी अज्ञानता या लापरवाही न केवल आपके लिए, बल्कि आपके पूरे परिवार के लिए जानलेवा साबित हो सकती है।

उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे आंधी-तूफान के कारण टूटे हुए तारों या गिरे हुए खंभों को छूने की गलती न करें, क्योंकि वे ऊर्जित हो सकते हैं। साथ ही, किसी भी प्रकार के खतरे जैसे ढीले तार या खुले ट्रांसफार्मर की सूचना तत्काल बिजली विभाग को दें ताकि समय रहते दुर्घटना को टाला जा सके। उपभोक्ता हाई-वोल्टेज लाइनों के पास धातु की सीढ़ी, लंबे पाइप या गीले बांस का उपयोग न करें, क्योंकि उच्च वोल्टेज बिजली हवा के माध्यम से भी करंट मार सकती है।

कार्यपालक निदेशक ने कहा कि जो भी व्यक्ति आपूर्ति लाईनो से अवैध कनेक्शन लेता है, कम खपत दर्ज करने के लिये मीटरों से छेड़छाड़ करता है या अनाधिकृत उद्देश्यों के लिये बिजली का उपयोग करता है, उनके विरूद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत कार्यवाही की जाती है। जिसमें जुर्माने के अतिरिक्त तीन वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। कार्यपालक निदेशक ने सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे स्वयं जागरूक बनें और दूसरों को भी सुरक्षित बिजली उपयोग के प्रति प्रेरित करें, ताकि विद्युत दुर्घटनाओं के खतरों से बचा जा सके।

नहीं रहे सेवानिवृत्त उपपुलिस अधीक्षक अजी चौबे

रायपुर। दीनदयाल उपाध्याय नगर सेक्टर 01 रायपुर निवासी 74 वर्षीय अजीत चौबे सुपुत्र स्व. सतीश चन्द्र चौबे सारंगढ़, सेवानिवृत उप पुलिस अधीक्षक का सोमवार को उनके निवास पर निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को रायपुर स्थित महादेव घाट मुक्ति धाम में किया गया। अजीत चौबे ने दुर्ग जिले के विभिन्न थाना में थाना प्रभारी के रूप में सेवाएं दी हैं, वे कुछ महीनो से अस्वस्थ चल रहे थे। वे अपने पीछे पत्नी ज्योति चौबे, बेटी नीतू तिवारी व नेहा चौबे सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी कल्याण एसोसिएशन ने अजीत चौबे के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी है।

ट्रांसमिशन कंपनी ने रिकार्ड समय में 132 केवी लाइन तैयार करने का रचा कीर्तिमान

एनएमडीसी बचेली व किरंदुल में अब विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा दक्षिण बस्तर स्थित एनएमडीसी बचेली एवं किरंदुल के लिए रिकार्ड समय मे 132 केवी विद्युत प्रणाली की लाइन तैयार कर ऊर्जीकृत किया गया। जिसमें एनएमडीसी की विस्तार परियोजनाओं के लिए किरंदुल एवं बचेली हेतु विद्युत आपूर्ति होगी। इस कार्य में सीएसपीटीसीएल द्वारा पृथक-पृथक 132 केवी विद्युत प्रणाली की लाइन का चुनौतीपूर्ण कार्य रिकार्ड समय मे पूर्ण करने का कीतिर्मान रचा गया। इस कार्य से एनएमडीसी की मेगा परियोजनाओं किरदुल में स्क्रीनिंग प्लांट- ''' एवं बचेली में स्लरी पाईप लाईन को विद्युत आपूर्ति लक्ष्य से पूर्व प्रारंभ की जा सकी। इस कठिन कार्य को समय पर पूर्ण करने हेतु ट्रांसमिशन कपनी के प्रबंध निदेशक आर. के. शुक्ला ने टीम के सभी सदस्यों को बधाई दी।

132 केवी पारेषण प्रणाली के विस्तार हेतु किरंदुल में लगभग 1.86 किमी. एवं बचेली में लगभग 2.8 कि.मी. नयी लाइन की स्थापना की गई। यह कार्य रिकॉर्ड अवधि में पूर्ण किया गया जो यह दर्शाता है कि सुदुर दक्षिण बस्तर के इस क्षेत्र का वातावरण अब औद्योगिक विकास की उड़ान भरने के लिए तैयार है। समय प्रबंधन की दृष्टि से पारेषण कंपनी ने इन कार्यों हेतु टॉवर सामग्री की विशेष व्यवस्था स्वयं की संचालित अन्य पूंजीगत परियोजनाओं से की है। उल्लेखनीय है पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने एनएमडीसी प्रबंधन के निर्धारित लक्ष्य समय से पूर्व ही 132 केवी पर विद्युत आपूर्ति का रिकार्ड बनाया।

इस कार्य में किरंदुल एवं बचेली में कमशः 08 एवं 14 विशालकाय टॉवर की स्थापना कर एनएमडीसी को 132 केवी में विद्युत आपूर्ति की है, जिससे नगरनार स्थित स्लरी पाइपलाइन प्रोजेक्ट शीघ्र प्रारंभ हो सकेगा।यह कार्य कायर्पालक निदेशक लाइन संजय पटेल एवं उनके अधीनस्थ मैदानी अमले द्वारा संचालित किया गया।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100